53 वर्ष पुराना दैनिक समाचार पत्र | पंजीयक-पंजीयन संख्या-25059/73(79) | डाक पंजीकरण संख्या UP/BR-195/2022-24 | Web : muzaffarnagarbulletin.co.in | यह मुज़फ़्फ़रनगर है...

न्यूनतम 14.9°c अधिकतम 30.3 °c

अमृतवाणी

इस जगत में जो आदमी साधारण होने को राजी है... वही असाधारण है।

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

सम्पर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606 | संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा | रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

सांसद निधि को 5 करोड़ से बढ़ाकर कम से कम 20 करोड़ प्रति वर्ष किया जाना चाहिए : रामगोपाल यादव

सूर्योदय - 6:23, सूर्यास्त - 6:30 | वर्ष : 53/ अंक : 77 | बृहस्पतिवार, 20 मार्च 2025 | चैत्र, कृष्ण पक्ष, षष्ठी सम्वत् 2081 | मूल्य 3 रुपये | कुल पृष्ठ-4

तभी...सबका विकास.... सब का उल्लास हो सकता है.....

डीएम ने उठाया विकास का बीड़ा, गली-गली जाकर सुनी जनता की पीड़ा

400 करोड़ रुपये से होंगे नगर का चहुंमुखी विकासकार्य

मुजफ्फरनगर, 19 मार्च (बु.)। पिछले दस वर्षों से विकास की बाट जोह रहे मुजफ्फरनगर में विकास के पंख लगने की सम्भावना अब जागी है। नगर के जिलाधिकारी शहर के विकास के लिए पूरी तरह डटे दिखाई दे रहे हैं। बुधवार को पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार दिन निकलते ही जिलाधिकारी उमेश मिश्र नेताओं और तमाम विभाग के अधिकारियों के काफिले के साथ सुबह 9 बजे नगर में भ्रमण करते हुए विकास का खाका खींचने को निकले। उनके साथ मुख्य रूप से पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, मुविप्रा उपाध्यक्ष कविता मीणा, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग एके राणा, एसपी ट्रैफिक, एडीएम-ई नरेन्द्र बहादुर सिंह, विद्युत विभाग व जल निगम के प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी सर्वप्रथम खालापार से होते हुए प्रेमपुरी पुलिस चौकी, आबकारी रोड, शामली रोड, हनुमान चौक, नावल्टी चौक, अहिल्याबाई मार्ग, अस्पताल चौराहा, रामलीला टिल्हा आदि स्थानों पर जनता से रूबरू होते हुए चले। जहां महिलाओं और पुरुषों ने उन्हें गंभीर शिकायतें बताई। कहीं नाली, कहीं सड़क, कहीं नालों से जल निकासी तो कहीं पानी न आने की समस्या की शिकायतें जमकर व दिल खोलकर जिलाधिकारी से की गयी। जिलाधिकारी ने एक-एक व्यक्ति की बात को गौर से सुनकर अधीनस्थों को हाथो-हाथ वाजिब समस्याओं को नोट कराया। जो जो सड़कें नहीं बनी थी, उन सड़कों के टेण्डर पास होकर बनने की जानकारी नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने आम जनता को दी। मीनाक्षी स्वरूप ने बताया कि जनता की राय लेकर ही नगर में विकास कार्य कराये जाएंगे। विकास कार्यों में सड़क निर्माण के साथ साथ पार्कों को बनाने का एजेंडा भी उन्होंने पास किया हुआ है। प्रशासन और नेताओं की मानें तो लगभग 400 करोड़ रुपये से नगर का चहुंमुखी विकास किया जायेगा।

नहीं डरी महिलाएं, डीएम के सामने ही बोली नेता सिर्फ वोट मांगने ही आते हैं

मुजफ्फरनगर। अब वो दिन चले गए जब आम जनता नेताओं से डरती थी। जनता को समझ में आ गया है कि उनके वोट के बिना नेताओं के कुर्ते पर कलफ चढ़ पाना मुश्किल है। उन्हीं के दिये हुए वोटों से वे कुर्सियों पर दस दस साल तक तनकर बैठ जाते हैं और विकास कार्यों के लिए जनता चिल्लाती रहती है। मुजफ्फरनगर में ट्रिपल इंजन की सरकार होने के बावजूद शहर की कोई सड़क ऐसी नहीं जिसमें गड्ढे न हों और सिर्फ सड़कें ही नहीं, सड़कों के साथ-साथ बिजली, पानी का हाल भी कैसा है, यह बताने की जरूरत नहीं है। आज जब जिलाधिकारी विभिन्न विभागों के अधिकारियों व नेताओं के साथ जनता से रूबरू हुए तो विकास कार्यों की असलियत डीएम साहब के मुंह पर ही महिलाओं ने बयां की। महिलाओं ने खुलकर दिल की बात जिलाधिकारी से की और बताया कि नेता सिर्फ वोट लेने के लिए बने हैं। पहले वोट लेते हैं और बाद में अपनी मजबूरियां बताकर विकास कार्य तक नहीं करते। डीएम के समक्ष महिलाओं ने सड़कों की हालत कूड़े के ढेर, नालों में पानी की निकासी, नालियों की सफाई, बिजली, पानी और न जाने कौन-कौन सी समस्याएं उनके समक्ष रखीं। दरअसल जिले में जिलाधिकारी उमेश मिश्र ने यह पहली बार किया है कि वे

स्वयं नेताओं और अधिकारियों को लेकर बिना किसी झिझक के आमजन के बीच पहुंचे। अभी तक सिर्फ मंच सजाकर आम जनता की परेशानियां वीआईपी के रूप में सुनी जाती थी, मगर जिलाधिकारी ने साधारण तरीके से जमीन पर उतरकर विकास कार्यों को देखने और आम जनता की परेशानी सुनने की यह शानदार पहल की है। इस पहल से कड़वा सच भी सामने निकलकर आया है कि आखिर हर बार जनता के सामने वोटों के लिए अपना पल्ला पसारने वाले नेता आखिर करते क्या हैं? जब मुंह पर ही जनता ने ये साफ कह दिया कि नेता सिर्फ वोट के लिए आते हैं तो इससे शर्मनाक बात और क्या हो सकती है? बड़ी बात यह है कि केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार है। उसके बावजूद भी विकास कार्यों के लिए पिछले दस वर्षों में आम जनता को तिल-तिल तरसना पड़ा है। कभी सड़क, कभी पानी तो कभी अन्य समस्याओं के लिए लगातार नेताओं से सिर्फ जनता ने गुहार ही लगाई है। पिछले दस वर्षों में जो सड़कें बनी भी हैं, उनका हाल अगर देखा जाए और जांच कराई जाए तो अधिकांश सड़कें बनने के चंद महीनों बाद ही टूटी दिखाई देंगी। ऐसे में इस शहर में कैसा विकास हुआ है, यह सिर्फ महिलाएं ही नहीं शहर का बच्चा-बच्चा बता सकता है।

ई-रिक्शाओं का ठीक प्रकार से होगा संचालन

मुजफ्फरनगर। विकास की राह में ई-रिक्शाओं के सुचारू रूप से संचालन की बात भी रखी गयी है। शहर में अनियंत्रित होकर चल रही ई-रिक्शाओं को जिलाधिकारी द्वारा पहले से ही नियंत्रित करने के निर्देश दिये गए थे, जिसमें अवैध ई-रिक्शाओं को पूरी तरह से समाप्त करके सिर्फ वैध रिक्शाओं को सड़कों पर चलने के आदेश दिये गए थे। इसी के साथ-साथ अब इनके रूटों के विभाजन का भी खाका जल्द ही तैयार किया जायेगा। कुछ दिन पहले चालकों को चेतावनी देते हुए साफ तौर पर कहा गया था कि हरेक ई- रिक्शा पर पीले रंग की पट्टी पर काले रंग से रिक्शा चालक का नाम, पिता का नाम और फोन नम्बर तथा पता लिखना अनिवार्य होगा।

शहर के इन स्थानों का होगा सौंदर्यकरण

मुजफ्फरनगर। डीएम के निरीक्षण के दौरान उन स्थानों का भी निरीक्षण किया गया जो नगर पालिका द्वारा सौंदर्यकरण के लिए चिह्नित किये गए हैं, इनमें महावीर चौक, शिवमूर्ति, झांसी की रानी, रामलीला टिल्हा शामिल हैं। इसी के साथ-साथ अंसारी रोड का चौड़ीकरण, काली नदी की सफाई, रामलीला टिल्हे की जलनिकासी, जानसठ रोड व भोपा रोड की सफाई, दोनों ओर डिवाइडर, कम्पनी बाग में बहुउद्देशीय हॉल, स्ट्रीट वेंडर्स को स्थान आवंटन, खंडित पीस लाइब्रेरी में पार्किंग एवं पुनर्निर्माण के विकास कार्य भी किये जाने हैं।

SARASWATI SHISHU MANDIR INTER COLLEGE
Keshavpuri, Muzaffarnagar
E mail:ssmintercollege.mzn@gmail.com M.9027975452
Teachers Required
Well Experienced, Qualified And Trained Teachers.
TGTs : Computer Science, S. St. (with any two subjects History, Geography, Civics & Economics) For English Medium Classes.
PRTs : English, Science & Maths
Nursery : All Subjects
ATL Trainer & Office Clerk with Tally and Computer Knowledge.
Send your resume through Email latest by 28.03.2025.
Bring hand written application along with a copy of all documents at the time of written test on due dated 30.03.2025 (Sunday) at 9:00 am.
Only short listed candidates will be called for the interview.
Manager

45 वीं पुण्य तिथि
श्री सुदर्शन गुरूवे नमः
श्री महावीराय नमः

स्व. लाला प्यारे लाल जैन जी
निर्वाण तिथि : 20 मार्च 1980
श्रद्धासुमन

हमारे पूज्य श्री प्यारे लाल जी जैन को प्रभु चरणों में लीन हुए आज 45 वर्ष हो गए हैं। 45 वर्षों बाद अपने विचार और संस्कार से आज भी वो हमारे साथ हैं। परिवार के हम सब लोग पिताजी को बताना चाहते हैं कि जैसी अपेक्षा उन्होंने हमसे की थी, हम उनकी अपेक्षाओं पर खरे उतरने का पूर्ण प्रयास कर रहे हैं। आपके दिये हुए सिद्धान्तों पर चलते हुए हम समाज के लिए, जो बेहतर है, उसे करने का हमेशा प्रयास करते रहते हैं, फिर चाहे स्थानक में मुनि महाराज की सेवा हो या फिर जरूरतमंद के लिए कोई भी सेवा का कार्य हो। हमारी कोशिश रहती है कि आपकी तरह ही हम भी दयावान एवं गुणवान बनें। आपके जाने के 45 वर्ष बाद भी आप हमारे अंदर आज भी साक्षात् रूप से विराजमान हैं। आपके द्वारा कही गयी एक-एक बात हमारे कानों में आज भी गूंज रही है। आपने हमें हमेशा सद्गुण दिये एवं सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। आज हम सब परिवार के लोग आपको स्मरण करके आपको अपनी विनम्र एवं अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि समर्पित करते हैं। आपसे प्रार्थना है कि आप हमारी विनम्र श्रद्धांजलि को स्वीकार करें।

-शोकाकुल-
मनमोहन जैन (पुत्र) (मोनिका पाइप), संजीव जैन, राजीव जैन, राजेश जैन (पौत्र),
मोनिका जैन (पौत्री), श्रेयांश जैन, आदीश जैन, जयंत जैन (पड़पौत्र)
दिव्या जैन, रचिता जैन, शिप्रा जैन, श्रुति जैन (पड़पौत्री)
-प्रतिष्ठान-
मोहन ट्यूबवैल स्टोर, कचहरी रोड, मुजफ्फरनगर
टी.एम.आर. पोलिट्यूब इन्डस्ट्रीज (गणपति मोनिका प्रीमियम पाइप) सिडकुल, हरिद्वार
मोनिका गोल्ड पी.वी.सी. पाईप, प्रा.लि., दिल्ली
-स्थान-
● पी.एल. मनमोहन जैन पब्लिक चैरिटेबिल ट्रस्ट, (श्री वर्धमान जैन धर्मशाला)
● श्री मनमोहन जैन चैरिटेबिल डायलिसिस सैन्टर व
चैरिटेबल होम्योपैथिक सैन्टर, नई मण्डी, मुजफ्फरनगर
मो. 9837067082, 9837097911, 9760387028

MAX Healthcare
निःशुल्क हड्डी रोग जाँच शिविर आपके शहर मुज़फ्फरनगर में

ओ.पी.डी. शेड्यूल
डॉ. निकुंज अग्रवाल
एसोसिएट डायरेक्टर - ऑर्थोपेडिक्स एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट
शुक्रवार, 21 मार्च 2025 | सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक
एस. के. बी. आरोग्यम मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, मुज़फ्फरनगर
समस्याएँ: घुटने एवं कंधे में दर्द, हाथ व पैर की विकृति, लम्बे समय तक खड़े रहने से घुटनों में दर्द होना, गठिये का दर्द, चोट या बीमारी के बाद जोड़ों का न चलना, कंधे या घुटनों पर लिगमेंट की चोट
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:
+91-82181 49646, 89369 33331
www.maxhealthcare.in
मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, वैशाली (क्रॉसले रेमिडीज लिमिटेड की एक इकाई)
डब्ल्यू-3, सेक्टर -1, वैशाली, गाजियाबाद - 201012, (यूपी) | फोन: +91-0120-4173 000, 4188 000

मुख्य दरवाजा खटखटाने व कुंडी बंद करने का आरोप

बुढ़ाना, 19 मार्च (बु.)। एक महिला ने मोहल्ले के कुछ युवकों पर उसके घर का मुख्य दरवाजा खटखटाने और कुंडी लगाकर बिना वजह परेशान करने का आरोप लगाते हुए बुढ़ाना पुलिस से कार्यवाही की गुहार लगाई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार बुढ़ाना कस्बे के मोहल्ला करबला रोड निवासी एक महिला मोनिका पत्नी सचिन कुमार ने बुढ़ाना कोतवाली में पुलिस को एक तहरीर देते हुए बताया कि उसका मकान मुस्लिम आबादी के बीच में स्थित है। वहां पर हिंदुओं के मात्र तीन ही मकान हैं। आरोप है कि लगभग तीन हफ्ते से दिन निकलने से लेकर देर रात के समय तक मुस्लिम समाज के कुछ आवारा टाइप नवयुवक उनके घर का मुख्य दरवाजा खटखटाते हैं और उनको बहुत परेशान करते हैं। देर रात के समय उन्होंने मुस्लिम युवकों को दरवाजा पीटने तथा कुंडी लगाते हुए देखा है, जिसकी शिकायत उन्होंने मस्जिद के मौलाना तथा मोहल्लेवालों से की थी, लेकिन उन्होंने अब तक भी उनके संबंध में कोई भी जवाब नहीं दिया है। महिला ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोपी युवकों के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई है। उधर बुढ़ाना पुलिस ने बताया कि तहरीर मिली है। उक्त घटना की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेजें देखनी शुरू कर दी हैं, ताकि इन नवयुवकों की करतूतों का पता लग सके।

शुरू हुई मूल्यांकन प्रक्रिया, परीक्षकों ने काली पट्टी बांध जताया विरोध

- किया मूल्यांकन, डीआईओएस ने गैर हाजिर परीक्षकों को भेजा नोटिस, गैर हाजिर रहे 398 परीक्षक

मुजफ्फरनगर, 19 मार्च (बु.)। माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज यूपी बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं का बुधवार को नगर मुख्यालय स्थित चार मूल्यांकन केन्द्रों पर बुधवार से शुरू हो गया। शहर के चार केंद्रों पर शुरू हुए उक्त मूल्यांकन कार्य से पूर्व परीक्षकों ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। इस बीच शिक्षकों ने शासन-प्रशासन को विरोध दर्ज कराते हुए काली पट्टी बांधकर मूल्यांकन किया। बुधवार को नगर में पहले दिन 17,766 हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया। माध्यमिक शिक्षा परिषद यूपी बोर्ड की जनपद में नकल विहीन एवं निर्विघ्न संपन्न हुई बोर्ड परीक्षा के बाद बुधवार को नगर के 4 मूल्यांकन केन्द्रों में मूल्यांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई। जनपद में बनाए इन मूल्यांकन केन्द्रों में राजकीय इंटर कॉलेज, एसडी इंटर कॉलेज, डीएवी इंटर कॉलेज और इस्लामिया इंटर कॉलेज में बुधवार को आवंटित परीक्षक प्रातः 9 बजे बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए केन्द्रों पर पहुंचे। मूल्यांकन शुरू करने से पूर्व उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार जैन के नेतृत्व में शिक्षकों ने सभी मूल्यांकन केंद्रों पर पुरानी पेंशन बहाली सहित अन्य शिक्षकों की लंबित मांगों को लेकर विरोध-प्रदर्शन किया। इसके बाद सभी ने सहमति बनाते हुए काली पट्टी बांधकर उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य शुरू कर दिया। करीब दोपहर 2 बजे तक सभी मूल्यांकन कार्य कर परीक्षक अपने घरों को लौट गए। पहले दिन जिले में इंटरमीडिएट परीक्षा की राजकीय इंटर कॉलेज में 1400 व एसडी इंटर कॉलेज में 1843 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन हुआ। वहीं हाईस्कूल की उत्तर पुस्तिकाओं की शुरू मूल्यांकन की प्रक्रिया में डीएवी इंटर कॉलेज में 8528 एवं इस्लामिया इंटर कॉलेज में कुल 5995 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया। शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर संगठन के जिलाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार जैन के नेतृत्व में शिक्षकों ने पुरानी पेंशन की बहाली, धारा 21, 18 व 12 की बहाली, समान कार्य के लिए समान वेतन एवं चिकित्सा सुविधा लागू किये जाने आदि प्रमुख मांगों को लेकर विरोध दर्ज कराया। इस दौरान मूल्यांकन केन्द्रों पर शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने अपना विरोध दर्ज कराते हुए बांहों पर काली पट्टी बांधकर मूल्यांकन कार्य को शुरू किया। इस दौरान मंत्री अरूण कुमार, कोषाध्यक्ष संजय मोघा के अलावा चारों मूल्यांकन केन्द्रों पर मुख्य रूप से अरूण कुमार, राहुल कुमार, डॉ. रंजन सिंह पुंडीर, डॉ. अनिल सैनी, जावेद आलम, दिनेश शर्मा, वीरेन्द्र कुमार, संजीव त्यागी, विजय शर्मा, राजकुमार जैन, सुरेन्द्र सिंह, सुभाष सिंह, विनय कुमार त्यागी, योगेश तोमर, हाकम सिंह, तेज प्रताप वाजपेई, नमन जैन, असित सिंह, शिव प्रताप सिंह रूपक वर्मा, राजीव कुमार, अजय कुमार आदि का पूर्ण सहयोग रहा।

इन्होंने कहा...

मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान डीआईओएस राजेश श्रीवास ने सभी मूल्यांकन केंद्रों पर निरीक्षण किया। इस दौरान पहले दिन चारों मूल्यांकन केन्द्रों पर 398 परीक्षक किन्हीं कारण गैर हाजिर रहे। उन्होंने बताया कि गैरहाजिर रहे परीक्षकों को उपस्थित नहीं होने के कारण नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि जनपद में हाईस्कूल के लिए कुल आवंटित उत्तर पुस्तिकाएं 1,78,017 और इंटरमीडिएट के लिए 1,51,972 उत्तर पुस्तिकाएं आवंटित की गई हैं, जिनमें से पहले दिन हाईस्कूल की 14,523 व इंटरमीडिएट की 3243 उत्तर पुस्तिकाओं का इस बीच मूल्यांकन किया। उन्होंने बताया कि मूल्यांकन के लिए आवंटित कुल 1500 परीक्षकों में से पहले दिन 1102 परीक्षक उपस्थित रहे।
राजेश श्रीवास (डीआईओएस)

पहलवानों ने सांसद के विरुद्ध दी डीएम दरबार में दस्तक

- सांसद के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की उठाई मांग

मुजफ्फरनगर, 19 मार्च (बु.)। बीते दिनों आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह द्वारा संभल सीओ अनुज पहलवान पर की गई अशोभनीय टिप्पणी के विरोध में वेस्ट यूपी समेत जनपद मुजफ्फरनगर के पहलवानों का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को इस मुद्दे को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे संयुक्त खेल समिति के पदाधिकारियों ने डीएम कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया और डीएम-एसएसपी को ज्ञापन सौंपा। उक्त ज्ञापन में उन्होंने संभल के सीओ के विरुद्ध आप सांसद संजय सिंह द्वारा की गई टिप्पणी का विरोध दर्ज कराने के साथ आप सांसद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की मांग की। बुधवार को डीएम कार्यालय पहुंचे संयुक्त खेल समिति के उपाध्यक्ष चौ. युधिष्ठिर पहलवान ने डीएम-एसएसपी को सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से कहा कि वास्तव में एक खिलाड़ी बनाने में परिवार की कई-कई पीढ़ियों का बलिदान होता है। उन्होंने कहा कि नेता तो हेलीकॉप्टर से भी आ सकते हैं और पैसे देकर टिकट भी ले लेते हैं, लेकिन जो खिलाड़ी होते हैं वह पहले जिला स्तर पर जीतते हैं और फिर स्टेट स्तर पर खेलते और फिर नेशनल खेल पाते हैं, तब कहीं जाकर वो फिर वर्ल्ड में जाकर भारत देश का परचम लहराते हैं। उन्होंने कहा कि एक खिलाड़ी तैयार करना बहुत बड़ी बात है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक सम्मानित पद पर बैठे सांसद संजय सिंह के दिए गए बयान से खिलाड़ियों और पहलवानों में रोष है। उन्होंने मांग की कि एक जिम्मेदार पद पर बैठे अधिकारी के विरुद्ध की गई टिप्पणी पर उनके खिलाफ कार्यवाही हो या वह सार्वजनिक रूप से आकर सभी खिलाड़ियों एवं पहलवानों से माफी मांगे। इस दौरान मुख्य रूप से मदन खलीफा छुर, मांगेराम पहलवान राजस्थान केसरी, प्रवीण कोच, भारत पहलवान, गजेन्द्र कोच, जितेन्द्र कोच, सुमित पीनना, अर्जुन पहलवान, सुमित, शक्ति अमित, धर्मेन्द्र प्रहलवान, विनोद पहलवान, अभि त्यागी, पंकज, योगेश, मुकेश पहलवान, नीरज, अंकित लछेड़ा, आशु पचेंडा, शिवम, सौरभ काकरान, विवेक काकरान, संदीप प्रधान, अरविन्द प्रधान एवं अंकुर पहलवान मौजूद रहे।

नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती युवक को पकड़ा और अंगोछे से घोंट दिया गला

नूरपुर, 19 मार्च (एजेंसी)। नूरपुर क्षेत्र के गांव लिंडरपुर स्थित नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती फैसल (25) की मंगलवार रात हत्या कर दी गई।अमरोहा मार्ग स्थित गांव लिंडरपुर के आदर्श नशा मुक्ति केंद्र में थाना क्षेत्र के गांव रवाना शिकारपुर निवासी फैसल (25) पुत्र शमशुल हसन भर्ती था। उसे गत 25 फरवरी को यहां इलाज के लिए लाया गया था। मंगलवार रात केंद्र में भर्ती मरीजों में किसी बात को लेकर बहस हो गई। इसके बाद आरोपियों ने फैसल को पकड़ा और एक अंगोछे से उसका गला घोंट दिया। शोर सुनकर पास ही सो रहे अन्य मरीजों ने यह देखा और बिना कोई हलचल किए ही चादर तानकर फिर से लेट गए। यह पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। बुधवार सुबह नशा मुक्ति केंद्र में मर्डर होने पर हंगामा हो गया। सूचना पर केंद्र संचालक अमित यादव ने फैसल को निजी अस्पताल भेजा, जहां चिकित्सक ने बताया कि फैसल की मौत हो चुकी है। इसके बाद परिवार वालों को बुलाकर शव सौंप दिया गया। परिजनों ने फैसल के गले और शरीर पर चोट के निशान देखे, तो शव को लेकर थाने आ गए। पुलिस ने घटनास्थल पर जाकर निरीक्षण किया। नशा मुक्ति केंद्र में लगे कैमरों की फुटेज के आधार पर तीन युवकों को हिरासत में लिया, जबकि शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

झगड़े में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत

छह पर मुकदमा दर्ज, सोमवार को मस्जिद के बाहर दो पक्षों में हुई थी मारपीट

भोपा, 19 मार्च (बु.)। मोरना में सोमवार की शाम दो पक्षों में हुई मामूली कहासुनी खूनी संघर्ष में बदल गई। झगड़े में दोनों पक्षों के लगभग आधा दर्जन लोग घायल हो गये थे तथा एक युवक को गम्भीर चोट आई थी। बुधवार को युवक की मुजफ्फरनगर के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना में आधा दर्जन लोगों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बुधवार देर शाम मृतक को गमगीन माहौल में सुपुर्दे खाक कर दिया गया। भोपा थाना क्षेत्र के गांव मोरना निवासी शमशेर ने दी तहरीर में बताया कि उसका 20 वर्षीय पुत्र फरीद उर्फ चांद अंसारी पहले रोजे पर नमाज पढ़ने मस्जिद में गया था। आरोप है कि मस्जिद से निकलते ही आबिद व समीर से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गयी थी, तभी से आबिद आदि उसके बेटे से रंजिश रखते थे। बीते सोमवार शाम को उसका बेटा फरीद व भतीजा अहमद जामा मस्जिद से नमाज पढ़कर निकले थे। आरोप है कि मस्जिद के गेट के बाहर पहले से घात लगाये बैठे आबिद, समीर उर्फ आफताब अब्बासी, बाबर, शब्बू, शाहबाज, माजिद समेत आधा दर्जन आरोपियों ने अपने लाठी-डंडों, तबल व बलकटी से जान से मारने की नीयत से तीनों पर हमला कर दिया और मारपीट करना शुरू कर दिया, जिससे फरीद के सिर में गंभीर चोटें आई हैं, जिसे जिला चिकित्साल्य के बाद आनन्द हॉस्पिटल में रेफर किया गया था। बुधवार को उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। शमशेर ने छः आरोपियों को नामजद करते हुए आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। फरीद की मौत से पिता शमशेर, माता कौसर, भाई कैफ, बादल व बहन लायबा का रो रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बुधवार की देर शाम मृतक को जानसठ रोड स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक कर दिया गया। प्रभारी निरीक्षक उमेश रोरिया ने बताया कि घटना में आधा दर्जन के विरूद्ध संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

वैश्य एकता दिवस के अवसर पर फूल-माला पहनाकर किया अभिनन्दन

मुजफ्फरनगर, 19 मार्च (बुस.)। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन इकाई मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश के द्वारा वैश्य एकता दिवस के अवसर पर राहुल कुमार गोयल अध्यक्ष जिला मुजफ्फरनगर ने श्रीकृष्ण गौशाला मुजफ्फरनगर पर वैश्य एकता दिवस कार्यक्रम आयोजित किया।

गौशाला में गौमाता को गुड़ व हरा चारा खिलाकर कर सेवा की एवं अध्यक्ष राहुल कुमार गोयल, महासचिव शिशुकांत गर्ग एडवोकेट, श्रवण गुप्ता मंत्री ने समाज के वरिष्ठ गणित प्रो. जेपी आर्य व वरिष्ठ पत्रकार ऋषिराज राही को पटका व फूल-माला पहनकर अभिनंदन किया। इस कार्यक्रम में संदीप गुप्ता उपाध्यक्ष, राजेंद्र सिंघल प्रभारी, विष्णु गर्ग, संजीव रंजन, अमित राजवंशी, अंकुर अग्रवाल, डॉ. रमेश गर्ग, विनय सिंगल, विशाल गुप्ता आदि मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं को योग्यता के आधार पर दिए बैज

जानसठ, 19 मार्च (बु.)। एंबिएंस एकेडमी में बैज वितरण समारोह कराया गया। कक्षा एक और दो के छात्र-छात्राओं को योग्यता के अनुसार बैज प्रदान किए गए। पूरे वर्ष छात्र-छात्राओं के प्रदर्शन व गुणों को देखते हुए उन्हें विभिन्न विशेषताएं जैसे जीनियस कार्ड, शाइनिंग स्टार, मिस मैनर, मिस्टर मैनर, बेस्ट रीडर, बेस्ट हेल्पर, बेस्ट राइटर, स्वीटेस्ट स्टूडेंट के बैज प्रदान किए गए। इस अवसर पर प्रबंधक भावेश गुप्ता, प्रधानाचार्या मनु उर्फ मनोज गुप्ता ने बच्चों को प्रोत्साहित किया। समन्वयक रजनी गर्ग, पूजा तोमर, प्रियंका पोसवाल, शैफाली, नीलम, प्रियंका का योगदान रहा।

धूमधाम के साथ निकाली गई श्री शीतला माता ध्वज यात्रा

- ध्वज स्थापना के साथ 7 दिवसीय श्री शीतला माता मेले का शुभारंभ

मीरापुर, 19 मार्च (बु.)। कस्बे के विश्व विख्यात प्राचीन श्री शीतला माता बबरे वाली के मंदिर में लगने वाले 07 दिवसीय मेले का ध्वज स्थापना के साथ शुभारंभ हो गया। कस्बे से मंदिर तक बैंड-बाजों के साथ ध्वज यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों की संख्या में महिला-पुरुष व बच्चे पैदल माता रानी के भजनों पर नाचते गाते मंदिर पहुँचे। कस्बे से 03 किलोमीटर दूर स्थित महाभारत कालीन श्री शीतला माता बबरे वाली के मंदिर में मेला का शुभारंभ हो गया। बुधवार की सुबह मंदिर समिति के महामंत्री अनिरूद्ध शारदा के पड़ाव चौक स्थित आवास से माता रानी की विशेष पूजा-अर्चना के बाद सर्वप्रथम ध्वज यात्रा शुरू हुई । बैंड-बाजों से सुसज्जित ध्वज यात्रा में हजारों श्रद्धालु ध्वज हाथों में लेकर बैंड-बाजे की धुन पर बज रहे माता रानी के भजनों पर मंत्रमुग्ध होकर नाचते गाते पैदल मंदिर पहुंचे, जिसके बाद मंदिर में ध्वज की स्थापना की गई तथा विधिवत रूप से पूजा-अर्चना कर सात दिवसीय मेले का शुभारंभ किया गया। मंदिर समिति के महामंत्री अनिरुद्ध शारदा ने बताया कि यह मंदिर महाभारत कालीन होने के साथ-साथ विश्व विख्यात है। विभिन्न शहरों से श्रद्धालु यहाँ आकर सप्तमी, अष्टमी व नवमी के दिन प्रसाद चढ़ाकर मन्नत मांगते हैं। ध्वज यात्रा में मुख्यरूप से अनिरुद्ध शारदा, नवनीत शारदा, रुचिन शारदा, मा. चन्द्रपाल सिंह, अरुण शर्मा, मोनू ठाकुर, सुनील दत्त शर्मा, अभिषेक गर्ग, विकास कौशिक, प्रद्युम्न शर्मा, विभोर डागा, मोनू ठाकुर, राजन माहेश्वरी, कमल गोयल, मयंक लखोटिया, आदर्श कौशिक, मुकेश शारदा, नीरज शारदा, आयुष शर्मा, शोभित डागा, राकेश आढ़ती, मा. चन्द्रपाल सिंह, मंजू शारदा, सरिता, करन ठाकुर, प्रखर माहेश्वरी आदि शामिल रहे।

लड़की ही बदतमीज थी हमारी... मां ने खोले मुस्कान के राज; पिता ने फांसी की मांग की

मेरठ, 19 मार्च (एजेंसी)। मेरठ जिले में एक विवाहित महिला मुस्कान ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति को बर्बरता से मार डाला। इसके बाद शव के टुकड़े किए और ड्रम में रखकर चिनाई करा दी। इसके बाद बेवफा पत्नी ने शिमला जाकर प्रेमी के साथ मौज मस्ती भी की, जब वापस आई तब पत्नी ने अपने पति की हत्या की जानकारी परिवार को दी। फिलहाल पुलिस ने आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। अब इस मामले में मुस्कान की मां की प्रतिक्रिया सामने आई है। मुस्कान की मां ने अपनी बेटी को ही बदतमीज कहा है। एक मीडिया चैनल से बात करते हुए मुस्कान की मां ने कहा कि जब से सौरभ लंदन गए थे, तब से मुस्कान रेंट पर रहती थी, जब से शादी हुई तब से ही ऐसे ही दोनों अलग-अलग रहते थे। मुस्कान की ससुराल में भी नहीं बनी। एक साल ससुराल में रही, अब मुस्कान ने सौरभ को क्या पट्टी पढ़ाई, वो तो यह दोनों ही जानते होंगे।

शाहपुर में प्रधानों एवं विद्यालय प्रबंधकों की ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी आयोजित

शाहपुर, 19 मार्च (बु.)। कस्बे के एक फार्म हाउस पर ब्लॉक संसाधन केंद्र के तत्वाधान में विद्यालय प्रबंध समिति के सशक्तिकरण हेतु विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव व गांव प्रधानों की विकासखंड स्तरीय संगोष्ठी व उनकी उन्मुखीकरण कार्यशाला में खंड शिक्षा अधिकारी संजय भारती ने उपस्थित गांव प्रधानों व विभिन्न विद्यालयों के अध्यापकों को अपने-अपने विद्यालय में ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत शेष कार्य पूरा कराने की अपील की। इसके अलावा उन्होंने कहा कि प्रत्येक गांव में स्थित विद्यालय के अध्यापक अपने गांव प्रधान व जनप्रतिनिधियों से समन्वय व संवाद स्थापित कर परिषदीय विद्यालयों में 06 से 14 वर्ष के बच्चों का नामांकन सुनिश्चित कराने में सहयोग करें। खंड शिक्षा अधिकारी ने गांव प्रधानों से कहा कि गांव प्रधान विद्यालयों का भ्रमण कर विद्यालय में बन रहे मिड-डे-मील की गुणवत्ता की जांच करें । बैठक में खंड विकास अधिकारी राजीव कुमार ने कहा कि सभी अध्यापक गांव प्रधान के साथ मिलकर अपने-अपने गांव में ऑपरेशन कायाकल्प के शेष कार्यों को पूरा कराया। इसके अलावा शिक्षक बच्चों को अच्छे संस्कार व उच्च शिक्षा देकर उनके सर्वांगीण विकास करने का कार्य करें। बैठक में गांव प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. कुलदीप त्यागी ने उपस्थित गांव प्रधानों की ओर से आश्वासन दिया कि सभी गांव प्रधान अपने-अपने गांव में सरकार की संचालित योजनाओं को पूरा कराने में अपना सहयोग करेंगे। बैठक में पूर्व जिला पंचायत सदस्य गौरव त्यागी, गांव प्रधान मोनू सैनी, जसवंत सिंह बालियान, नीरज बालियान, अरविंद चौधरी, राज सिंह, ओमवीर सिंह आदि सहित सौरव गुप्ता, वीरपाल सिंह व अलका गुप्ता आदि मौजूद रहे।

सोरम में 21 युवाओं के पुलिस में चयनित होने पर ग्राम प्रधान ने किया सम्मानित

शाहपुर, 19 मार्च (बु.)। गांव सोरम में यूपी पुलिस भर्ती की मेरिट लिस्ट में चयनित 21 अभ्यर्थियों को गांव प्रधान सहित अन्य ग्रामीणों ने सम्मानित किया। गांव सोरम से यूपी पुलिस भर्ती की मेरिट लिस्ट में 21 अभ्यर्थियों की मेरिट लिस्ट में नंबर आया है। बुधवार को गांव में स्थित रघुवंशी आर्चरी एकेडमी में चयनित अभ्यर्थियों को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान गांव प्रधान कर्णवीर सिंह ने कहा कि गांव से यूपी पुलिस भर्ती की मेरिट लिस्ट में 21 युवाओं का चयन होना गांव के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि चयनित सभी अभ्यर्थी भर्ती होकर देश, प्रदेश व समाज की सेवा करने के साथ-साथ गांव के निर्बल व असहाय लोगों की सेवा कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। गांव प्रधान ने गांव के युवाओं से आह्वान किया कि वह चयनित अभ्यर्थियों से प्रेरणा लेकर कड़ी मेहनत कर अपना कैरियर बनाएं। रघुवंशी आर्चरी एकेडमी के संचालक विपिन बालियान ने कहा कि गांव के युवाओं के लिए एकेडमी उनकी मदद करने के लिए हमेशा तत्पर है। गांव के युवा उच्च पदों पर आसीन होकर गांव का नाम रोशन करें। इस दौरान यशवीर सिंह, मास्टर जयपाल सिंह, हरेंद्र सिंह, प्रवेन्द्र सिंह, गजेंद्र सिंह व धर्मवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

क्रूरता की इंतेहा: पहले रेप, फिर हत्या, आंखें निकाल शव को पेड़ से लटकाया

प्रयागराज, 19 मार्च (एजेंसी)। प्रयागराज में 21 साल की छात्रा की हत्या कर दी गई। मंगलवार को उसकी लाश घर से 8 किमी दूर 15 फीट ऊंचाई पर पेड़ से लटकी मिली। आंखों पर गहरे जख्म हैं। आशंका है कि हत्यारों ने उसकी आंखें नोच डाली। पूरी बॉडी पर चोट के निशान हैं। आसपास के लोगों ने पेड़ से लटकी लाश देखी, तो पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर परिजन भी स्पॉट पर पहुंचे। गुस्साए परिवार के लोगों ने लाश को करीब 02 घंटे तक नीचे उतरने नहीं दिया। पुलिस के अधिकारियों ने परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद लाश को पेड़ से उतारा जा सका। कपड़े अस्त-व्यस्त मिले। परिजनों और पुलिस को आशंका है कि लड़की के साथ रेप किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद रेप की पुष्टि हो सकेगी, जिस जगह पर लाश मिली है, वह इलाका सोरांव है। परिजन बोले कि गांव का लड़का परेशान करता था मंगलवार दोपहर बेनीपुर गांव के लोगों ने पेड़ से लटकी हुई लड़की की लाश देखी। उन्होंने गांववालों और पुलिस को इस बारे में बताया। पुलिस ने क्राइम स्पॉट को ब्लॉक किया। लाश को नीचे उतारने का प्रयास किया। मगर, परिवार के लोग अड़ गए। वह गांव के ही एक लड़के पर आरोप लगा रहे थे। कहना था कि एक लड़का मोबाइल पर फोन करके परेशान करता रहता था। शुरूआती छानबीन के बाद पुलिस ने परिवार के लोगों से कहा कि हमें अपनी कार्रवाई करने दीजिए। लड़के को अरेस्ट किया जाएगा। 2 घंटे तक हंगामा चला। इसके बाद बॉडी को नीचे उतारा जा सका। आखिरी बार 16 मार्च को दिखी थी छात्रा। शुरूआती छानबीन में सामने आया कि लड़की की आंखें नहीं थी। कपड़े अस्त-व्यस्त मिले। ऐसे में यह आशंका जताई जा रही है कि लड़की के साथ रेप हुआ है। लड़की बेनीपुर गांव की रहने वाली थी। वह बीए की पढ़ाई कर रही थी। 16 मार्च को सुबह करीब 8 बजे छात्रा घर से निकली। परिवार के लोगों ने बताया, जिस वक्त वह घर से बाहर निकली, फोन पर बात कर रही थी। अमूमन वह जल्दी घर लौट आती है, क्योंकि पढ़ाई के लिए वह गांव में अपनी सहेलियों से मिलने जाती रहती थी, जब वह नहीं लौटी, तब ढूंढना शुरू किया। मगर कुछ पता नहीं चला। मऊआइमा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दी। पुलिस ने लड़की की तस्वीर थानों में भेजी, मगर कुछ पता नहीं चला। आज सुबह लाश मिली।

तारीख गवाह है
आज का इतिहास

नयी दिल्ली, 19 मार्च (वार्ता)। भारतीय एवं विश्व इतिहास में 20 मार्च की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं:- 1739 - नादिरशाह ने दिल्ली सल्तनत पर कब्जा किया। मयूर सिंहासन के गहने चोरी किये और उन्होंने दो महीने तक दिल्ली में लूटमार की थी। 1990 - अर्धरात्रि में नामीबिया की स्वतंत्रता की घोषणा। 1991 - बेगम खालिदा जिया बांग्लादेश की राष्ट्रपति निर्वाचित। 1999 - प्रख्यात ब्रिटिश अमूर्त चित्रकार पैट्रिक हेरोन का निधन। 2002 - नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा 6 दिवसीय यात्रा पर भारत पहुँचे, जिम्बाब्वे राष्ट्रमंडल से निलम्बित। 2003 - इराक पर अमेरिकी हमला शुरू। 2006 - अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने दावा किया कि ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान में है। 2009 - न्यायमूर्ति चन्द्रमौली कुमार प्रसाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश नियुक्त हुए

मुजफ्फरनगर मंडी

मुजफ्फरनगर, 19 मार्च, (बु.)। गुड़-शक्कर के भाव इस प्रकार रहे:- रसकट ढैया 1290-1300, चाकू 1400-1564, लड्डू 1450-1536, खुरपापाड़ 1350-1370, शक्कर मसाला 1520-1530, आमद- 6000 मन।

सर्राफा बाजार

मुजफ्फरनगर, 19 मार्च, (बु.)। मुजफ्फरनगर सर्राफा बाजार के भाव इस प्रकार रहे:-

सोना-	89800	चांदी-	100050
सिक्का-	10800	गिन्नी-	67000

राहुल-अखिलेश की औरंगजेब से तुलना, संगीत सोम का विवादित बयान; यूपी में फिर गरमाई सियासत

मेरठ, 19 मार्च (एजेंसी)। भाजपा नेता व सरधना के पूर्व विधायक संगीत सोम ने औरंगजेब के क्रूर और हिंदू विरोधी इतिहास की याद दिलाते हुए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर विवादित टिप्पणी कर दी। उन्होंने कहा कि अगर औरंगजेब देशद्रोही था तो राहुल गांधी और अखिलेश यादव भी देशद्रोही की श्रेणी में आते हैं। वह दिल्ली-दून हाईवे पर दशरथपुर गांव स्थित मंगलम फार्म हाउस में आयोजित होली मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि औरंगजेब लाखों हिंदुओं को कटवाने और महिलाओं के साथ दुष्कर्म करवाने वाला था। काशी और मथुरा के मंदिर भी इसी ने गिरवाए हैं। औरंगजेब कैसे महान हो सकता है, कांग्रेस ने इसके नाम पर सड़कें बनवाई। उन्होंने कहा कि बाबर की निशानी मिटी और अयोध्या का विवादित ढांचा ध्वस्त होकर मंदिर बना। अब औरंगजेब की भी सभी निशानी मिटनी चाहिए। एलान किया कि औरंगजेब को काशी से खत्म करके भगवान शंकर का मंदिर बनाएंगे और मथुरा से खत्म करके कृष्ण का मंदिर बनाएंगे। इस पर पूर्व विधायक ने उपस्थित लोगों से वचन लिया। होली मिलन समारोह कार्यक्रम में बढ़ती भीड़ और वाहनों की संख्या के चलते दिल्ली-दून हाइवे की दिल्ली से देहरादून जाने वाली और देहरादून से दिल्ली आने वाली लेन काफी देर तक जाम रही। वाहनों को आगे निकालने में कहासुनी भी हुई। वहीं दूसरी ओर, वृंदावन में मुगल बादशाह औरंगजेब पर पूरे देश में सियासत गर्म है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में औरंगजेब का मकबरा मौजूद है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बयान के बाद और मामला तूल पकड़ रहा है।

पति के टुकड़े करने वाली मुस्कान और साहिल पर फूटा वकीलों का गुस्सा, कोर्ट में जमकर की धुनाई

मेरठ, 19 मार्च (एजेंसी)। मर्चेंट नेवी अफसर की हत्या के मामले में पेशी के लिए अदालत पहुंचे आरोपी साहिल और उसकी प्रेमिका (मृतक की पत्नी) पर वकीलों का गुस्सा फूट पड़ा। गुस्साए वकीलों ने दोनों आरोपियों को घेर लिया और जमकर पिटाई कर दी। आरोपी साहिल को इतना पीटा गया कि उसके कपड़े तक फट गए। पुलिस ने बड़ी मुश्किल से दोनों को भीड़ से बचाकर सुरक्षित बाहर निकाला और आरोपी साहिल को अर्धनग्न हालत में जेल ले जाया गया। मेरठ के पॉश इलाके में रहने वाले नेवी अफसर की हत्या के मामले में उसकी पत्नी और उसके प्रेमी साहिल को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पत्नी और साहिल के बीच प्रेम संबंध थे और उन्होंने मिलकर अफसर की हत्या की साजिश रची थी। हत्या के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया और अदालत में पेश करने के लिए लाया गया। जैसे ही पुलिस आरोपियों को लेकर अदालत पहुंची, वहां मौजूद वकीलों में आक्रोश फैल गया। वकीलों ने दोनों आरोपियों को घेर लिया और जमकर मारपीट की। गुस्साए वकीलों ने आरोपी साहिल को इतना पीटा कि उसके कपड़े तक फट गए। उसकी प्रेमिका को भी धक्का-मुक्की और थप्पड़ मारे गए। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने बड़ी मुश्किल से भीड़ को हटाया और दोनों आरोपियों को सुरक्षित बाहर निकाला। वकीलों ने आरोप लगाया कि नेवी अफसर की हत्या बहुत ही निर्ममता से की गई थी, जिससे पूरे शहर में आक्रोश था। वकीलों का कहना था कि ऐसे अपराधियों को किसी भी तरह की राहत नहीं मिलनी चाहिए और उनके प्रति समाज में घृणा स्वाभाविक है।

संपूर्ण समाधान दिवस में दी शिकायत नहीं हुई निस्तारित

बुढ़ाना, 19 मार्च (बु.)। दो दिन पूर्व ही संपूर्ण समाधान दिवस मे दी गयी एक शिकायत का निस्तारण न होने पर बुधवार को भाकियू नेताओं का प्रतिनिधिमंडल भाकियू के जिला उपाध्यक्ष अनुज बालियान के नेतृत्व में एसडीएम राजकुमार भारती से मिला और कड़ी नाराजगी जताते हुए उक्त शिकायत का आजकल में ही निस्तारण करने की बात कही। शिकायत का निस्तारण ना होने पर आंदोलन की भी चेतावनी दी गयी है। यहां भाकियू के जिला उपाध्यक्ष अनुज बालियान ने बुढ़ाना एसडीएम को मौखिक रूप से बताया कि गांव अलीपुर अटेरना में तालाब का पानी घरों और रास्ते में भरने की शिकायत दो दिन पूर्व संपूर्ण समाधान दिवस में गांव अलीपुर अटेरना के काफी लोगों द्वारा भाकियू जिला संगठन मंत्री विकास त्यागी प्रधान व भाकियू नगर अध्यक्ष मोहम्मद इसरार के नेतृत्व में बुढ़ाना तहसीलदार महेंद्र सिंह यादव से की गयी थी, लेकिन दो दिन बीत जाने के बाद भी उक्त समस्या का समाधान नहीं किया गया, जो कि बड़े ही शर्म की बात है। गांव के उमेश, संजीव और रवि राजपूत सहित अन्य कई ग्रामीणों के मकान में तालाब का गंदा पानी भरा हुआ है। गांव के लोगों को बहुत ही दिक्कत आ रही है। भाकियू जिला संगठन मंत्री विकास त्यागी प्रधान ने बताया कि गांव के खसरा नंबर 713 पर कुछ ग्रामीणों ने अवैध कब्जा कर कूड़ा डाला हुआ है, जिसमें गांव के मेन रास्ते व घरों में तालाब का गंदा पानी भर गया है। एसडीएम श्री भारती ने भाकियू नेताओं को उक्त समस्या का समाधान आजकल में ही करने का आश्वासन दिया है।

कलयुगी पिता ने 7 साल की बेटी के साथ किया दुष्कर्म, गला घोंटकर हत्या कर पड़ोसी पर लगाया इल्जाम

गाजियाबाद, 19 मार्च (एजेंसी)। गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी सात वर्षीय बेटी के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया और उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी तथा बाद में पड़ोसी को फंसाने के लिए झूठी कहानी गढ़ी। सहायक पुलिस आयुक्त (अंकुर विहार) अजय कुमार सिंह के अनुसार, ज्ञान सिंह ने शुरू में दावा किया था कि उनकी बेटी की मौत 12 मार्च को पड़ोसी शांति देवी द्वारा दी गई कढ़ी खाने के बाद हुई थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनकी पत्नी और पांच अन्य बच्चे भी वही खाना खाने से बीमार पड़ गए। उनकी शिकायत के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर शांति देवी को बीएनएस की धारा 105 के तहत गिरफ्तार कर लिया। सिंह अपनी बेटी को दिल्ली के जी.टी.बी. अस्पताल ले गए, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाकी पाँच बच्चों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। हालांकि, उन्होंने लड़की का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और उसका शव वापस घर ले आए। एसीपी ने बताया कि संदेह होने पर पुलिस ने बच्ची के शव का पोस्टमार्टम कराया था जिसमें यौन उत्पीड़न और गला घोंटने की पुष्टि हुई। उन्होंने कहा कि इस खुलासे के बाद पुलिस ने 17 मार्च को सेवा धाम में जीडीए पार्क के पास ज्ञान सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान ज्ञान सिंह ने कुबूल किया कि 12 मार्च की रात को उसने अपनी बेटी के साथ रेप किया था और फिर गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी थी। एसीपी ने बताया कि अधिकारियों को गुमराह करने के लिए उसने झूठी शिकायत दर्ज कराकर शांति देवी को फंसाया था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने ज्ञान सिंह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है और शांति देवी के सभी आरोपों से मुक्त होने की उम्मीद है।

बेटे ने मां-बाप के गले और सिर पर चलाई ड्रिल मशीन, दी खौफनाक मौत

करनाल, 19 मार्च (एजेंसी)। करनाल में इंद्री हल्के के कमालपुर रोडान गांव में दंपति की हत्याकांड का खुलासा हो गया है। दंपति की हत्या करने वाला उनका अपना ही इकलौता बेटा ही निकला। करनाल पुलिस ने इस मामले में दंपति के बेटे हिम्मत सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में पता चला कि संपत्ति विवाद के चलते उसने अपने माता-पिता की हत्या कर दी और शव नहर में फेंक दिए। पुलिस ने मृतका बाला देवी का शव पानीपत नहर से बरामद कर लिया है, जबकि महेंद्र सिंह की तलाश जारी है। डीएसपी सतीश गौतम ने बताया कि आरोपी हिम्मत सिंह का अपने पिता महेंद्र सिंह से संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। महेंद्र ने इस संबंध में कोर्ट में याचिका भी दायर कर रखी थी। इस वजह से पिता-पुत्र में अक्सर अनबन रहती थी। 13-14 मार्च की मध्यरात्रि में हिम्मत ने इस वारदात में एक ड्रिल मशीन व अपने दोस्त की मांगी हुई कार का प्रयोग किया। डीएसपी गौतम ने बताया कि होली वाले दिन उसके पिता शराब पिए थे और इसी का फायदा उठाते हुए रात के वक्त दीवार फांदकर वह घर में दाखिल हुआ। ड्रिल मशीन से पहले अपने पिता की हत्या की। इसके बाद मां के शोर मचाने पर उसके मुंह को दबा दिया और ड्रिल मशीन से उसकी भी हत्या कर दी। माता-पिता की हत्या कर उनके शव करनाल के गांव गगसीना नहर में फेंक दिया। डीएसपी गौतम ने बताया के सीआईए 2 पुलिस की टीम की मदद से हम घटना की तह तक पहुंचने के बाद जब संतुष्ट हो गए कि इस पूरी घटना का आरोपी बेटा हिम्मत सिंह ही है, तब हमने हिरासत में लिए हुए हिम्मत सिंह को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पूछताछ में उसने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है। गौरतलब है कि घटना के बाद से ही पुलिस मामले को पारिवारिक विवाद से जोड़कर जांच कर रही थी। पुलिस ने मृतका के बेटे हिम्मत सिंह को हिरासत में ले रखा था, क्योंकि घटना के समय वह संदिग्ध लग रहा था। हिम्मत सिंह शादी के बाद अपनी पत्नी के साथ उचाना गांव में रह रहा था। पुलिस ने कई दिनों की जांच के बाद इस गुत्थी को सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

संस्थापक सम्पादक एवं हमारे प्रेरणास्रोत स्व. उत्तमचन्द्र शर्मा

मुजफ्फरनगर बुलेटिन

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक श्रीमति पूजा दुआ ने 'मुजफ्फरनगर बुलेटिन' प्रातःकालीन दैनिक 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर को 'दैनिक बुलेटिन प्रेस' 223-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से मुद्रित कराकर 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक-अंकुर दुआ
(प्रकाशक)-98370-42840, 94127-10840
(विज्ञापन)-9368549219 (नि.) 7983359929
सम्पादक-9412210257
E-mail :
muzaffarnagar_bulletin@yahoo.co.in
muzaffarnagar_bulletin@rediffmail.com

1973-2025

सम्पादक की कलम से

शैतान को साधु मानने की परम्परा

भारत में तुष्टिकरण की गलत नीति के चलते शैतान को साधु मानने की परम्परा चलती रही है, लेकिन अब इस परम्परा का भेद खुलने लगा है। यह पता चलने लगा है कि जहाँ हम सर झुका रहे हैं, वह स्थान किसी साधु से जुड़ा हुआ नहीं है बल्कि जिसे साधु बताया जा रहा है, वह तो ऐतिहासिक रूप से प्रामाणिक राक्षस था, लेकिन गंदी सियासत ने गलत नीति के चलते शैतान को साधु मानने की परम्परा को बढ़ावा दिया और उस राक्षस का उस शैतान का पूजा करने की हद तक महिमा मण्डन किया जाता रहा। अब संभल प्रशासन ने साफ-साफ कह दिया है कि लुटेरे और देश को नुकसान पहुंचाने वाले के नाम पर मेला नहीं होगा। कई सम्प्रदायों में यह मान्यता बराबर है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है और उन सभी सम्प्रदायों का मानना है कि जो मांगना है, उसी ईश्वर से मांगो, इधर उधर मत भटको। इस मान्यता को मानने वाले सभी सम्प्रदाय किसी भी प्रगट साधु और परोक्ष शैतान से जुड़े स्थान पर जाना अधर्म समझते हैं, लेकिन फिर भी ऐसे स्थानों पर भीड़ देखी जाती है, इसका कारण है कि इन स्थलों से आमदनी और रुतबे का एक तंत्र बन जाता है और फिर परम्परा चल पड़ती है। इस गलत परम्परा के चलते, संतों, महात्माओं और साधुओं से जुड़े स्थल भी प्रभावित होते हैं। अब यह प्रयास हो रहे हैं कि इस पाखण्ड को प्रगट किया जाए। पाखण्ड भरी व्यवस्था पर अब चोट हो भी रही है, अब शैतान और साधु का भेद साफ होने लगा है। किसी शायर ने कहा है-

शक्ल से शैतान बाहर आ रहा है,
अब तुम्हारे सिलसिले खुलने लगे हैं।
चल न पाएगी सियासत अब तुम्हारी,
अब तुम्हारे पैंतरे खुलने लगे हैं।

जो अच्छी पोशाक पहन कर भाषण दे रहे हैं, उससे उनकी मंशा साफ हो रही है, उनकी शक्ल से उनके भीतर का शैतान प्रगट हो रहा है। साफ पता चल रहा है कि उनका सिलसिला पुराने राक्षसों से जुड़ता है, समझाने की कोशिश करें कि फलां व्यक्ति शैतान नहीं था साधु था, लेकिन उसका प्रामाणिक इतिहास उसे शैतान साबित कर ही देता है। अब ऐसे पाखण्ड तंत्र से जुड़े लोगों की राजनीति चल नहीं पा रही है, क्योंकि उनके पैंतरे लोगों को समझ में आने लगे हैं। अब शैतान को शैतान समझा जा रहा है, चाहे उसके लिए कितना भी भव्य भवन बनाया गया हो। साधु को साधु समझा जा रहा है, चाहे उसका भवन साधारण ही क्यों न हो। भारत में धर्म की हानि साधुओं के सम्मान के कारण नहीं बल्कि शैतानों के महिमा मण्डन के कारण हुई है। कमाल यह है कि इस आधुनिक युग में जिनसे जुड़े किसी भी स्थल का नामों निशान इस जमीन पर नहीं होना चाहिए, उनके लिए मेले लगते रहे हैं। अब इस शैतान को साधु मानने की परम्परा पर चोट होने लगी है। इस तरह के पाखण्ड के विरुद्ध उत्तर प्रदेश सरकार भी है। कुछ दिन पहले एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि विदेशी आक्रांताओं को महिमामंडित किया जाना बंद होना चाहिए। वरना, संभल जैसे 10 मामले आएंगे और वे मुंह दिखाने लायक नहीं बचेंगे। सीएम योगी ने कहा कि हमारे अंदर सभी को साथ लेकर चलने का भाव है। सीएम ने संभल को आस्था का केंद्र बताया है। सीएम योगी ने कहा कि संभल एक सच्चाई है। मैं योगी हूं और हर पंथ-संप्रदाय का सम्मान करता हूं। लेकिन, कोई जबरन किसी जगह पर कब्जा करे और किसी की आस्था को खत्म करे, यह बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। संभल एक तीर्थ रहा है। वहां 68 तीर्थ थे और हम अभी तक केवल 18 ही खोज पाए हैं। संभल में 56 साल बाद शिव मंदिर में जलाभिषेक किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल का जिक्र करते हुए कहा कि संभल, इस्लाम से भी पुराना है। इस्लाम के उदय को 1400 वर्ष पुराना करार देते हुए सीएम योगी ने कहा कि संभल का उल्लेख पुराणों में है। पुराणों की रचना 5000 से 3500 वर्ष पहले हुई थी। इसमें भगवान श्रीहरि विष्णु के दसवें अवतार कल्कि के संभल में आने का उल्लेख है। ये तथ्य हमारे सामने हैं। उन्होंने मुगल आक्रांताओं के मंदिर तोड़ने की घटनाओं का भी जिक्र किया। सीएम योगी ने कहा कि मुगल आक्रांताओं की ओर से मीर बाकी ने प्रदेश के मंदिरों को तोड़ने का कार्य किया। सीएम ने कहा कि वर्ष 1526 में संभल में श्री हरि विष्णु का मंदिर तोड़ा गया। वर्ष 1528 में अयोध्या में राम मंदिर तोड़ा गया था। मुगल आक्रांता मीर बाकी की ओर से यह अपराध किया गया। सीएम योगी ने विदेशी आक्रांताओं का गुणगान किए जाने पर कहा कि जो लोग भारत का खा रहे हैं और इस प्रकार की बात कर रहे हैं, उन्हें अपने डीएनए की जांच करने की जरूरत है। सीएम योगी ने कहा कि विदेशी आक्रांताओं का महिमामंडन करना बंद कर दें। योगी सरकार ने संभल में हर साल लगने वाले नेजा मेले पर रोक लगा दी है। प्रशासन का कहना है कि यह मेला आक्रमणकारी महमूद गजनवी के सेनापति सैयद सालार मसूद गाजी के नाम पर होता है, जो भारत पर हमला करने वालों में शामिल था। इसलिए, इस आयोजन की इजाजत नहीं दी जाएगी। प्रशासन का कहना है कि इस मेले का संबंध आक्रमणकारी महमूद गजनवी और उसके सेनापति सैयद सालार मसूद गाजी से है, जो देश के लिए घातक साबित हुआ था। इसलिए, सरकार ने इस आयोजन को मंजूरी नहीं देने का फैसला लिया है। पुलिस और प्रशासन ने यह भी साफ कर दिया कि किसी भी विदेशी आक्रमणकारी या उसके सेनापति के नाम पर मेले का आयोजन नहीं होने दिया जाएगा। नेजा मेला कमेटी के सदस्यों ने मेला आयोजित करने के लिए प्रशासन से अनुमति मांगी थी। उन्होंने एसडीएम और पुलिस अधीक्षक से भी मुलाकात की, लेकिन अधिकारियों ने दो टूक कह दिया कि इस आयोजन की इजाजत नहीं दी जाएगी। एएसपी ने जब इन आयोजकों से पूछा कि यह मेला किसके नाम पर आयोजित होता है, तो उन्हें जवाब मिला, सैयद सालार मसूद गाजी के नाम पर। इस पर उन्होंने तुरंत कहा कि लुटेरे और देश को नुकसान पहुंचाने वाले के नाम पर मेला नहीं होगा। आक्रांता सालार मसूद ने 16 वर्ष की आयु में सिंधु नदी को पार कर भारत पर आक्रमण किया और मुल्तान, दिल्ली, मेरठ और अंत में सतरिख पर विजय प्राप्त की। सतरिख में, उन्होंने अपने मुख्यालय की स्थापना की और स्थानीय राजाओं को हराने के लिए सेनाओं को भेज दिया। घात-प्रतिघात के चलते उस शैतान की मौत हो गई। एक हजार साल पहले जहाँ वह मारा गया, वहीं उसके शैतान चेलों ने उसकी याद में एक स्थान बनाया जो अब तक है।

चार तीर

सुनील उत्सव

'नेता' 'झूट' 'सुन्दर' 'तहजीब'

राजनेता आज भी वो झूट कहते हैं हमें,
जो कभी भी देश हित में, साथियों! सुन्दर न था।
हम जिसे तहजीब समझे जा रहे थे दोस्तो!
दरअसल वो इक सियासी झूट से बढ़कर न था।

...जब किसानों की उपेक्षा से आहत भाकियू ने रोक दिया किसान दिवस

- एडीएम प्रशासन ने रोका विरोध, सुनी किसानों की बात - सभागार में मौन होकर बैठ गए किसान, मचा हड़कंप

मुजफ्फरनगर, 19 मार्च (बु.)। कलेक्ट्रेट स्थित चौ. चरण सिंह सभागार में किसान दिवस में आलाधिकारियों के बैठक में समय से न आने पर किसानों ने हंगामा खड़ा कर दिया। किसान दिवस में नगर मजिस्ट्रेट विकास कश्यप व जिला गन्ना अधिकारी की मौजूदगी में शुरू बैठक में हर मुद्दे पर सकारात्मक उत्तर न मिल पाने पर भाकियू कार्यकर्ता सभागार में मौन होकर बैठ गए और ऐलान किया कि जब तक आलाधिकारी नहीं आएंगे, बैठक शुरू नहीं होगी। किसानों ने इस बीच आरोप लगाया कि पिछले किसान दिवसों में उठाए किसानों की विभिन्न समस्याओं का अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ है और आज किसान दिवस में जिले के आलाधिकारी नहीं पहुंचे। घंटों बाद सभागार में पहुंचे एडीएम प्रशासन ने किसानों की समस्याओं को सुनने के बाद उनके त्वरित निस्तारण कराने का आश्वासन दिया, तब कहीं जाकर अफसरों ने राहत की सांस ली। बुधवार को विकास भवन में पंचायत सभागार में आयोजित किसान दिवस में अफसरों की अनदेखी को लेकर गुस्सा फूट गया। इस बीच गुस्साए किसानों को शांत करने को विकास भवन में संपन्न बैठक से किसानों के बीच पहुंच विवाद शांत कराया। बैठक में बिजली, पानी, चकबंदी के साथ विभिन्न समस्याओं के निदान में हो रही देरी पर किसान नेताओं का गुस्सा सिर चढ़कर बोला। इस बीच आलाधिकारियों की किसान दिवस से दूरी पर किसान खफा दिखाई दिए। नगर मजिस्ट्रेट विकास कश्यप की अध्यक्षता में शुरू बैठक में किसी समस्या का समाधान न हो पाने पर किसानों ने विरोध दर्ज कराते हुए आला अधिकारियों के आने तक बैठक में कोई मुद्दा न उठाने का निर्णय लिया। इसके बाद अधिकारियों में हड़कंप मच गया। हंगामा होने की सूचना पर सभागार में पहुंचे एडीएम प्रशासन नरेन्द्र बहादुर सिंह ने किसानों को आश्वस्त किया। किसान दिवस में अधिकारियों ने किसानों को किसान हित में चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से सुविधाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की। इस दौरान गुरमेल सिंह बाजवा, श्यामपाल सिंह चेयरमैन, सतेन्द्र पुंडीर, विकास शर्मा, बल राम सिंह, गुलशन चौधरी, योगेश बालियान, मानसिंह मलिक, संजीव पंवार, जितेन्द्र बालियान, संजय त्यागी, सुमित चौधरी, हैप्पी बालियान, अंकित राठी, अनुज राठी, बिट्टू प्रधान, नरेश पुंडीर, सचिन चौधरी, ठाकुर मदन सिंह, आयूष निर्वाल, समद, साहिल, फराद प्रधान, जयवीर सिंह जसोई, गुलबहार राव, रवि पाल, एहसान त्यागी, लीलू त्यागी, अफलातून, इस्तेकार त्यागी, चौ. शक्ति सिंह समेत सैकड़ों किसान एवं प्रशासन की ओर से एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह नगर मजिस्ट्रेट विकास कश्यप सहित बिजली, पानी, लोक निर्माण विभाग और जिला गन्ना एवं कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

इन्होंने कहा....

भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष नवीन राठी ने बताया कि महीने के तीसरे बुधवार को किसान दिवस आयोजित किया जाता है। पिछली बार भी अधिकारियों को अवगत कराया था कि अगली बार किसान दिवस में डीएम भी मौजूद रहने चाहिए। आज ऐसे अधिकारी यहां भेज दिए जिनके हाथों में कुछ भी नहीं है। उन्होंने बताया कि जिस विभाग की यहां समस्या उठे, उस विभाग का सक्षम अधिकारी अगर मौजूद रहे तो समस्या निदान में कोई खामी शेष रहने की संभावनाएं समाप्त हो जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसान दिवस में सक्षम अधिकारी किसानों के बीच में नहीं पहुंचेगा तो हम अपनी समस्याएं नहीं बताएंगे और ऐसे ही बैठे रहेंगे।

कहां खो रही हैं, हमारे घरों की शान, नन्हीं चिड़िया 'गौरैया'

जयपुर, 19 मार्च (वार्ता)। चीं-चीं कर आती और घर-आंगन में फुदकती नन्हीं सी चिड़िया गौरैया जो कभी घरों की शान हुआ करती थी, अब धीरे-धीरे कहीं खोती जा रही हैं। कच्चे घरों की खपरैल के बीच, दीवार की दरारों, तस्वीरों के पीछे, गर्डर के कोनों, टीन-टप्परों एवं छज्जों के नीचे और छतों पर पानी के नालदों में तिनकों से बनाये हुए इनके घोंसले देखे जाते थे। इनकी चहचहाहट से वीरान घर भी आबाद और जीवंत होते रहते थे। इसी नन्हीं चिड़िया को दाना-पानी देकर देखभाल करते घर के छोटे बच्चों से लेकर बूढ़े हाथ कभी भी थकते नहीं थे। प्राचीन काल से ही हमारी संस्कृति, स्वतंत्रता, उल्लास और परम्परा की संवाहक रही गौरैया अब संकट में है। विकास की दौड़ में गांव-शहरों में ऊग आए सीमेंट के जंगलों और पेड़ों के स्थान पर अब बिजली एवं मोबाइल फोन के टावरों ने इस गौरैया को घरों से लुप्त सा कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार इनकी संख्या में करीब 80 प्रतिशत तक की कमी आई है। पक्षी विशेषज्ञ एवं राजस्थान में जयपुर पुलिस मुख्यालय में अतिरिक्त निदेशक (प्रचार) डॉ कमलेश शर्मा ने बुधवार को बताया कि सामान्य बोलचाल में जिसे चिड़िया कहा जाता है, वह हमारी गौरैया ही है। गौरैया एक छोटे आकार की चिड़िया है। इसके पंख काले या घूसर रंग के होते हैं। गौरैया की लम्बाई 14-18 सेमी के मध्य होती है। इसका सिर गोल, पूंछ छोटी एवं चोंच नुकीली पिरामिड आकार होती है। गौरैया अपना घोंसला पेड़ों, चट्टानों, घरों या इमारतों के छिद्रों में बनाना पसंद करती है। इसके प्रजनन का समय अप्रैल से अगस्त तक है, हालांकि कई जगह पूरे वर्ष इसके घोंसले देखे गये हैं। यह एक बार में चार-पांच अंडे देती है। अंडे का रंग सफेद, हल्का नीला, सफेद या हल्का रंग-सफेद होता है। ऊष्मायन अवधि 11-14 दिन है। इसके चूजे 14-16 दिनों में उड़ने लगते हैं। उन्होंने बताया कि गौरैया किसानों की मित्र मानी जाती है। गौरैया कीटभक्षी है और यह हज़ारों वर्षों से खेतों और हमारे घर-आंगन में कीट-पतंगों, मक्खी, मच्छर, मकड़ियां, इल्लियां आदि खाकर पर्यावरण को संतुलित करती हैं। वह अपने चूजों को भी वे इल्लियां खिलाती है, जो फसल को नुकसान पहुंचाती हैं। इस मायने में गौरैया स्वस्थ पर्यावरण की जैव-सूचक है। डॉ शर्मा बताते हैं कि अत्यधिक शहरीकरण एवं पक्के आवास के चलते गौरैया को अपना घोंसला बनाने के लिए अनुकूल स्थाल मुहैया नहीं हो पा रहा है। अब इनके लिए न तो खपरैल है और न ही टीन टप्पर। पक्के मकान भी बन चुके हैं, जिससे इनके दरवाजे गौरैया के लिए बंद हो चुके हैं।

जनपद में 15वें वित्त आयोग से बदलेगी विकास की सूरत

- करीब 70 करोड़ रुपए से होगा जनपद में चहुंमुखी विकास

मुजफ्फरनगर, 19 मार्च (बु.)। विकास भवन सभागार में बुधवार को डीएम उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में 15वे वित्त आयोग की बैठक संपन्न हुई, जिसमें नगर विकास के साथ जनपद के सभी 10 निकायों में होने वाले विकास कार्यों के रखे प्रस्तावों पर सहमति बनने के साथ करीब 90 प्रतिशत कार्यों को हरी झंडी मिलने की संभावना हो गई है, जिससे आने वाले दिनों में जनपद में विकास कार्यों के बूते गंगा बहने के साथ दिशा व दशा में आमूल परिवर्तन दिखाई देगा। विकास भवन में डीएम उमेश मिश्रा एवं नगरपालिका चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप की अध्यक्षता में 15वें वित्त आयोग के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के 10 निकायों से जुड़े कुल 287 प्रस्ताव जिनकी लागत 70.69 लाख रुपए होगी, के उक्त प्रस्ताव रखे गए। डीएम उमेश मिश्रा ने सभी नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए कि ई-निविदा के माध्यम से तमाम कार्यों को समय एवं गुणवत्ता युक्त मानक के अनुरूप कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्य प्रारंभ होने से पूर्व कार्य शुरू होने के समय तथा कार्य समाप्त होने के बाद के फोटो व कार्यदायी संस्था के नाम सहित रिकॉर्ड में रखा जाए। वहीं जो भी कार्य किए जाएं वह मानक के अनुसार ही होना चाहिए, इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने ईओ को अपने-अपने चेयरमैनों के साथ बैठक किए जाने के भी निर्देश दिए। डीएम ने सभी ईओ को निर्देश दिए कि संपत्ति रजिस्टर बनाया जाए तथा उसको अवलोकनार्थ हेतु प्रस्तुत किया जाए। इस दौरान एडीएम प्रशासन नरेंद्र बहादुर सिंह, समस्त ईओ पालिका एवं नगर पंचायत एवं चेयरमैन शाहिद सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

धर्म की हानि होने पर भगवान अवतार लेते हैं : अरविंद जी महाराज

मुजफ्फरनगर, 19 मार्च (बुस.)। आज महाराजा अग्रसेन भवन में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन बुधवार को कथा व्यास अरविंद जी ने कहा कि जब-जब भी धरती पर पाप बढ़ता है, धर्म की हानि होती है और जन्म-जन्मांतर से तपस्या में लगे साधुओं को तारने का नंबर आता है, तो परमात्मा अवतार लेकर अवतरित होते हैं। कलयुग आज घर घर पहुंच गया है, गृहस्थ पूर्ण रुप से प्रभावित हो चुके हैं, समय रहते घर बचाना जरूरी हो गया है, आज कथा में मुख्य रूप से वामन चरित्र, सूर्यवंश का वर्णन, श्रीराम जन्म और नंद उत्सव श्री कृष्ण का जन्म उमंग और उत्साह के साथ बनाया गया। "नन्द के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की" के घोष के साथ पूरा कथा स्थल कृष्ण जन्म भक्ति भाव मय हो गया, कृष्ण जन्म की बधाइयां गायी गई। कथा में आज हनुमान धाम शुकतीर्थ से पधारे स्वामी केशवानंद सरस्वती जी महाराज ने उपस्थित होकर भक्तों को आशीर्वाद प्रदान किया। कथा के मुख्य यजमान साधना तायल, अजय तायल, श्रुतिका तायल ने व्यास पीठ का पूजन किया। आज कथा में आरती के समय मुख्य रूप से महामृत्युंजय सेवा मिशन अध्यक्ष संजीव शंकर, नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप,वरिष्ठ समाजसेवी भीमसेन कंसल, पूर्व विधायक अशोक कंसल, पूर्व जिला अध्यक्ष विजय शुक्ला,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अंजू अग्रवाल, भाजपा नेता बिजेंद्र पाल (पूर्व सभासद), सत्य प्रकाश मित्तल, अजय तायल, शिव चरण गर्ग, विनोद सिंघल, मित्र सैन अग्रवाल, वेद प्रकाश संगल, तेजराज गुप्ता, राकेश अग्रवाल, पुरुषोत्तम सिंहल, योगेश सिंघल(भगत जी), कुलदीप मित्तल, हरि ॐ शर्मा, पंडित जनार्दन शर्मा, पंडित ब्रह्मप्रकाश शर्मा, मुकेश गोयल, रोशन लाल गर्ग, रचित सिंघल, राजीव गर्ग (गणेश डेयरी), रविन्द्र (एंड), संजय गुप्ता, अशोक तायल, वहीं कथा महिला मंडल में मुख्य रूप से साधना तायल, अंजू अग्रवाल, लतिका गोयल, अलका सिंगल, मयूरी स्वरूप, साधना गोयल, अनीता मित्तल, रेखा मित्तल, सुधा कुचल, नीता बंसल इत्यादि मौजूद रहे।

युजवेंद्र चहल देंगे धनश्री वर्मा को 4.75 करोड़ एलिमनी, कल आएगा कोर्ट का फैसला!

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा के तलाक के मामले में एक बड़ा अपडेट सामने आया है। बॉम्बे हाईकोर्ट के एक आदेश के अनुसार, कपल को तलाक के बाद 6 महीने के अनिवार्य प्रतीक्षा अवधि को माफ करने की अनुमति दी गई है। माननीय न्यायालय ने फैमिली कोर्ट को युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के तलाक की याचिका पर 20 मार्च तक फैसला करने का निर्देश दिया है, क्योंकि चहल 22 मार्च से इंडियन प्रीमियर लीग 2025 सीजन में भाग लेंगे। बार एंड बेंच ने एक्स पर पोस्ट किया, 'बॉम्बे हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के उस फैसले को पलट दिया है, जिसमें क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के हिंदू विवाह अधिनियम के तहत तलाक के लिए अनिवार्य प्रतीक्षा अवधि को माफ करने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। न्यायमूर्ति माधव जामदार की बेंच ने फैमिली कोर्ट को चहल के आगामी आईपीएल में भाग लेने को ध्यान में रखते हुए कल तक तलाक याचिका पर फैसला करने का भी निर्देश दिया है।' बार एंड बेंच के अनुसार, दिसंबर 2020 में शादी करने वाले चहल और धनश्री जून 2022 से अलग रह रहे हैं। उन्होंने इसी साल फरवरी में बांद्रा फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी दाखिल करने का फैसला किया था। कपल ने प्रतीक्षा अवधि को माफ करने के लिए याचिका के साथ एक आवेदन भी दायर किया। धारा 13बी(2) के अनुसार, एक फैमिली कोर्ट अपनी फाइलिंग की तारीख से छह महीने बाद ही तलाक के लिए एक आपसी याचिका पर विचार कर सकता है। कपल को मामले को सुलझाने और अपनी शादी को फिर से ठीक करने के लिए प्रतीक्षा अवधि दी जाती है। लेकिन, चहल और धनश्री के 2 साल से अधिक समय से एक-दूसरे से अलग रहने के कारण, बॉम्बे हाई कोर्ट को नहीं लगा कि प्रतीक्षा अवधि इस मामले में लागू होती है। याचिका हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13बी के तहत दायर की गई थी, जो आपसी सहमति से तलाक का सुझाव देती है। अदालत ने 20 फरवरी को चहल और धनश्री के बीच सहमति की शर्तों के संबंध में आंशिक अनुपालन का हवाला देते हुए 6 महीने की अनिवार्य प्रतीक्षा अवधि को माफ करने से इनकार कर दिया। सहमति की शर्तों के अनुसार, चहल ने अपनी पत्नी धनश्री को 4 करोड़ 75 लाख रुपये की एलिमनी देने पर सहमति व्यक्त की थी। हालांकि, क्रिकेटर ने अभी तक केवल 2 करोड़ 37 लाख और 55 हजार रुपये ही दिए हैं।

नागपुर हिंसा मामले में मास्टरमाइंड फहीम खान गिरफ्तार

नागपुर, 19 मार्च (एजेंसी)। नागपुर में हुई हिंसा के मुख्य आरोपी और माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी के जिला अध्यक्ष फहीम खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट में पेशी के बाद उसे 21 मार्च तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। फहीम खान को इस हिंसा का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। गणेशपेठ में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, उसने भीड़ इकट्ठा कर पुलिस थाने के बाहर प्रदर्शन किया और लोगों को भड़काया। आरोप है कि उसने पथराव की साजिश रची, जिसके लिए पहले से पत्थर जमा किए गए थे। इस हिंसा को लेकर कुल 51 नामजद आरोपियों पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, ये सभी एक ही धर्म के हैं और सुनियोजित तरीके से हिंसा भड़काने की कोशिश की गई। एफआईआर में यह भी कहा गया है कि हिंसा के दौरान महिला पुलिसकर्मियों के साथ छेड़खानी, बदसलूकी और दुष्कर्म की साजिश रची गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना जानबूझकर की गई ताकि प्रशासन को दबाव में लाया जा सके। भीड़ ने पुलिस पर आरोप लगाया कि वे सिर्फ एक पक्ष के लिए काम कर रही हैं।

महिला आयोग सदस्या ने सुनी महिलाओं की समस्याएं

- महिला अस्पताल का निरीक्षण कर देखी व्यवस्थाएं, जाना सच

मुजफ्फरनगर, 19 मार्च (बु.)। राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश ने बुधवार को लोक निर्माण के डाक बंगले के सभाकक्ष में महिलाओं से संबंधित प्रकरणों में जनसुनवाई की। इस दौरान उनके समक्ष आए कुल 7 प्रार्थना पत्रों में उनके द्वारा अधिकारियों को उक्त प्रकरणों को समयान्तर्गत निस्तारण करने के निर्देश देते हुए पूर्व में प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने महिलाओं के प्रति सरकार की ओर से दी जा रही योजनाओं को पात्रों तक पहुंचाने एवं महिला उत्पीड़न रोके जाने के लिए हर संभव प्रयास जारी रखने के अधिकारियों को निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग निरीक्षण भवन में संपन्न समीक्षा बैठक में जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय कुमार, सीएमएस डॉ. आभा आत्रेय, एसीएमओ डॉ. दिव्या, जिला श्रम प्रवर्तन अधिकारी शालू राणा, सीओ नई मंडी रुपाली रॉय, एसपी अपराध संत प्रसाद उपाध्याय, बाल कल्याण समिति सदस्य डॉ. राजीव कुमार, महिला थाना प्रभारी संगीता चौधरी, महिला थानाध्यक्ष बुढ़ाना सुमन शर्मा, निरीक्षक रेणु सक्सेना, उप निरीक्षक ज्योति, वन स्टॉप सेंटर से पूजा नरूला एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। आयोग सदस्या ने जन सुनवाई के उपरांत जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने वहां भर्ती महिलाओं से उन्हें मिल रही स्वास्थ संबंधी सुविधाओं के विषय में जानकारी ली तथा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत भर्ती महिलाओं को माला पहनाकर एवं उपहार भेंट कर बधाई दी। जिला अस्पताल के निरीक्षण के समय जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका डॉ. आभा आत्रेय, अस्पताल प्रबंधक प्रियंका, आहार विशेषज्ञ तनु तथा महिला थाना प्रभारी संगीता चौधरी, बाल कल्याण समिति सदस्य डॉ. राजीव कुमार, नीना त्यागी एवं महिला चिकित्साल्य का स्टॉफ मौजूद रहा। आयोजन में जिला प्रोबेशन कार्यालय से सचिन कुमार, संजय कुमार, नाथी राम आदि मौजूद रहे।

रस्म पगड़ी एवं तेरहवीं

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः। न चैनं क्लेदयंत्यापो न शोषयति मारुतः।।

अत्यंत दु:खी हृदय के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूजनीय माता जी श्रीमती कुसुमलता देवी धर्मपत्नी (स्व0 श्री रमेश चंद सिंघल) जी अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करके 9 मार्च 2025 को प्रभु के श्री चरणों में विलीन हो गई हैं। प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी।
जिनकी रस्म पगड़ी एवं तेरहवीं, आज दिनांक 20 मार्च 2025, दिन- बृहस्पतिवार को होनी निश्चित हुई है।

बृहस्पतिवार, दिनांक 20 मार्च 2025

ब्रह्मभोज	11:00 बजे प्रात:
सहभोज	12:00 बजे दोपहर
रस्म पगड़ी एवं तेरहवीं	2:00 बजे अपराह्न

स्थान: कमला फार्म हाऊस, मुजफ्फरनगर, थानाभवन रोड, चरथावल

शोकाकुल परिवार

मुकेश कुमार सिंघल,-कविता सिंघल (देवर-देवरानी)
योगेश कुमार सिंघल-स्नेह सिंघल (देवर-देवरानी)
अतुल कुमार-नीता सिंघल (पुत्र-पुत्रवधु)
अमित कुमार-अंजू सिंघल (पुत्र-पुत्रवधु)
आशीष-दीपाली सिंघल (भतीजा-भतीजवधु)
अंकुर-प्रियंका सिंघल (भतीजा-भतीजवधु)
अचिन सिंघल-शिवानी सिंघल (भतीजा-भतीजवधु)
अंशुल सिंघल-रेणुका सिंघल (भतीजा-भतीजवधु)
अनु-अनुज अग्रवाल (पुत्री-दामाद)
नेहा सिंघल-मोहित गुप्ता (पौत्री-दामाद)
ऋषभ सिंघल-श्रेया सिंघल (पौत्र-पौत्रवधु)
प्रियांश सिंघल-सार्थक सिंघल (पौत्र)
रूद्राक्ष, रूद्रांश, ऋत्विक, निविद (पौत्र)
सार्वी सिंघल (प्रपौत्री)

एवं समस्त सिंघल परिवार M.9897495686, 9897084351

विकास भवन में संपन्न जिला एकीकरण समिति की बैठक

- राष्ट्रीय एकीकरण समिति के सदस्यों ने साझा किए सुझाव

मुजफ्फरनगर, 19 मार्च (बु.)। विकास भवन सभागार में जिला एकीकरण समिति की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिला विकास अधिकारी मत्स्य नाथ द्विवेदी ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत पात्र लोगों के लिए सर्वे कार्य जनपद में चल रहा है, जो 31 मार्च तक चलेगा। उन्होंने बताया कि सर्वे में जो लोग आवास विहीन हैं या कच्ची छत एवं दीवारें है उन सभी परिवारों को चिन्हित किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई पात्र परिवार छूट रहा है, तो वह परिवार अपना सर्वे स्वयं एप के माध्यम से 31 मार्च तक कर सकते हैं, जिससे उन परिवारों का आवास हेतु पंजीकरण हो जाएगा। उन्होंने समिति के सदस्यों से कहा कि वे स्वयं अपने आसपास में ऐसा कोई पात्र व्यक्ति हो तो उनका सर्वे अवश्य कराएं जिससे उनको आवास का लाभ मिल सके। राष्ट्रीय एकीकरण के समिति सदस्यों ने कहा कि सोशल मीडिया में कुछ ऐसे व्यक्ति गलत मैसेज करते हैं जिससे माहौल बिगड़ सकता है, ऐसे लोगों को चिन्हित कर उन पर कार्रवाई की जाए, ऐसे मैसेज पर ध्यान ना दिया जाए और ना ही किसी दूसरे को वह मैसेज फॉरवर्ड किया जाए। सभी लोग एक-दूसरे से भाईचारे के साथ अपने-अपने त्योहारों के पर्व को मनाएं। राष्ट्रीय एकीकरण एवं सांप्रदायिक सद्भाव को भी बनाए रखें। इस दौरान महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के साथ ही स्पॉन्सरशिप योजना, शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में संक्षिप्त रुप से जानकारी दी। बैठक में बाल कल्याण समिति के सदस्य डॉ. राजीव कुमार ने विभागीय योजनाओं के पंपलेट वितरित किए।

571 करोड़ का सीसीटीवी फ्रॉड केस, एसीबी के शिकंजे में फंसे सत्येंद्र जैन

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसी)। 571 करोड़ रुपये की सीसीटीवी परियोजना में करोड़ों का घोटाला करने के आरोप में दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने दिल्ली सरकार के पूर्व पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। 70 विधानसभा क्षेत्रों में 1.4 लाख सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने थे। परियोजना में देरी के कारण भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड (बीईएल) पर लगाए गए 16 करोड़ रुपये के जुमार्ने को सत्येंद्र जैन ने 7 करोड़ रुपये की रिश्वत लेकर मनमाने ढंग से पेनल्टी माफ किया था। मनमोहन पांडेय की शिकायत पर सक्षम प्राधिकारी से अनुमति मिलने के बाद एसीबी ने भ्रष्टाचार अधिनियम व आपराधिक साजिश रचने की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम क धारा 17 ए के तहत मामले को केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजने के सतर्कता निदेशालय के प्रस्ताव पर सहमति जताई थी, ताकि एसीबी को जैन के खिलाफ केस दर्ज करने व जांच करने की मंजूरी मिल सके। जैन को मई 2022 में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल जमानत पर है। फरवरी 2023 में उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। एसीबी के संयुक्त आयुक्त मधुर कुमार वर्मा का कहना है कि अभी सात करोड़ रिश्वत लेकर 16 करोड़ की पेनल्टी माफ करने का आरोप है। जांच में कई अन्य घोटाले का पता लग सकता है। 70 विधानसभा क्षेत्रों में 1.4 लाख सीसीटीवी लगाने के लिए 571 करोड़ रुपये की परियोजना का लक्ष्य रखा गया है। बीईएल को अतिरिक्त 1.4 लाख कैमरे लगाने के बार-बार आदेश दिए जा रहे थे। सात करोड़ रुपये की रिश्वत उन्हीं ठेकेदारों के माध्यम से दी गई, जिन्हें 1.4 लाख सीसीटीवी कैमरों का ऑर्डर मिला था।

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रदर्शनी मैदान में प्रत्येक मंगलवार व शनिवार को लगने वाले पैंठ बाजार का ठेका वित्तीय वर्ष 2025-26 (01-04-2025 से 31-03-2026 तक) के लिये निर्धारित शर्तों के अधीन केवल ऑफलाईन टैण्डर प्रक्रिया द्वारा गठित समिति के माध्यम से दिनांक 28-03-2025 को अपराह्न 02 बजे कलेक्ट्रेट स्थित जिला पंचायत सभागार मुजफ्फरनगर में छोड़ा जाना है। टैण्डर डालने हेतु निर्धारित शर्तों के अनुसार राजस्व विभाग के सक्षम अधिकारी/जिलाधिकारी द्वारा जारी किए गये अंकन 50 लाख का हैसियत प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र (शासनादेशानुसार हैसियत प्रमाण पत्र निर्धारित तीन वर्ष की अवधि तथा चरित्र प्रमाण पत्र निर्धारित दो वर्ष की अवधि से पूर्व का न हो) तथा पैन कार्ड, आधार कार्ड, जी0एस0टी0 पंजीकरण प्रमाण पत्र, प्रस्तुत करना होगा। पैंठ बाजार ठेके के लिए मोहरबन्द टैण्डर आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक ठेकेदार अपने टैण्डर 28-03-2025 को कलेक्ट्रेट स्थित सभाकक्ष में रखे सील्ड बक्से में दोपहर 01 बजे से 02 बजे अपराह्न तक डाल सकते हैं। टैण्डर उसी दिन 02 बजे निविदादाताओं की उपस्थिति में जिला पंचायत सभागार में खोले जायेंगे। टैण्डर की जमानत धनराशि को केवल एफ0डी0/बैंक गांरटी अध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट एग्जीबेशन कमेटी मुजफ्फरनगर के नाम pledged (गिरवी) करनी होंगी। टैण्डर की अन्य विस्तृत शर्तें डिस्ट्रिक्ट एग्जीबेशन कमेटी मुजफ्फरनगर कलेक्ट्रेट कार्यालय में देखी जा सकती हैं। टैण्डर सम्बंधी शर्तें एवं टैण्डर फार्म दिनांक 28-03-2025 दोपहर 12 बजे तक किसी भी कार्यालय दिवस/समय में कार्यालय डिस्ट्रिक्ट एग्जीबिशन कमेटी मुजफ्फरनगर/कार्यालय जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर से टैण्डर फार्म मूल्य जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं। जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

क्र0स0	ठेके का नाम	जमानत धनराशि	टैण्डर फार्म का निर्धारित मूल्य
1	डिस्ट्रिक्ट एग्जीबिशन कमेटी प्रदर्शनी मैदान में प्रत्येक मंगलवार व शनिवार पैंठ बाजार का ठेका	दस लाख रूपये मात्र	10,000/- +GST

(विकास कश्यप)
नगर मजिस्ट्रेट/प्रभारी अधिकारी
डिस्ट्रिक्ट एग्जीबिशन कमेटी
मुजफ्फरनगर।

जब नहीं खुला रामलीला टिल्ला का दरवाजा, तो इस तरह झुककर निकलना पड़ा ...

फिर आमने-सामने जवान और किसान

खनौरी बॉर्डर पर उमड़ी किसानों की भीड़; मेडिकल टीमें भी अलर्ट

संगरूर, 19 मार्च (एजेंसी)। केंद्र सरकार से एसकेएम (गैर-राजनीतिक), केएमएम की संयुक्त बैठक के बाद किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल व सरवन सिंह पंढेर को हिरासत में ले लिया गया। वहीं, खनौरी बॉर्डर पर 13 फरवरी 2024 से लगे पक्के मोर्चे को उठाने के लिए संगरूर के भारी पुलिस बल खनौरी के लिए रवाना हो गए हैं। बुधवार सुबह से ही संगरूर के लड्डा कोठी इलाके में आसपास के कई जिलों से एकत्रित हुए पुलिस फोर्स की मदद से पुलिस खनौरी मोर्चे पर बड़ा एक्शन लिया जाएगा। वहीं, पुलिस के इस एक्शन से इस सरगर्मी से खनौरी बॉर्डर पर किसान भी अलर्ट हो गए हैं। जैसे ही किसानों को पुलिस बल के संगरूर इलाके में एकत्रित होने की भनक लगी तो एसकेएम (गैर-राजनीतिक),

केएमएम के कार्यकताओं ने भी किसानों को गांवों से निकलकर तुरंत खनौरी बॉर्डर पर पहुंचने व खनौरी बॉर्डर पर बैठे किसानों को चौकसी बढ़ाई की हिदायत दी। 25 नवंबर 2024 को पुलिस द्वारा खनौरी बॉर्डर से जगजीत सिंह डल्लेवाल को पुलिस द्वारा जबरदस्ती उठा ले गई थी। खनौरी बॉर्डर पर जगजीत सिंह डल्लेवाल का आमरण अनशन 114 दिन हो गए।

युवती ने पंखे से लटककर दी जान

खतौली, 19 मार्च (बु.)। त्रिवेणी शुगर मिल परिसर में उस समय हड़कंप मच गया, जब घर में मौजूद एक 16 वर्षीया युवती ने दुपट्टे का फंदा पंखे से लटका कर अपनी जान दे दी। घटना का पता तब चला, जब शुगर मिल में ही कार्यरत युवती का पिता ड्यूटी खत्म कर वापस घर लौटा। बेटी को फंदे पर झूलता देख पिता की चीख निकल गई। शोर शराब सुनकर आस पड़ोस के लोग भी घरों से निकल आए। तत्काल घटनाक्रम की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतार कर पंचनामा भर आगे की कार्रवाई शुरू की। जानकारी के अनुसार कस्बे के शेखपुरा स्थित त्रिवेणी शुगर मिल में संजय सिंह मशीन ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है। उनका परिवार मुरादाबाद में स्थाई रूप से रहता है। यदा-कदा उनकी पत्नी व बेटियां उनसे मिलने आती रहती हैं। संजय सिंह की तीन बेटियां हैं, जिनमें से एक बेटी की शादी वह कर चुके हैं। सबसे छोटी बेटी आकांक्षा श्रीवास्तव ने हाल ही में संपन्न हुई यूपी बोर्ड की इंटरमीडिएट की परीक्षा दी थी। बताया जा रहा है कि वह 2 दिन पूर्व भी अपने पिता से मिलने उनके पास आई थी। बुधवार को दिन में वह अपने पिता को खाना देने उनके कार्यालय में भी गई थी। शाम को जब संजय सिंह अपनी ड्यूटी खत्म कर शुगर मिल परिसर में स्थित आवासीय परिसर में अपने घर पहुंचे, तो दरवाजा खोलते ही उनकी चीख निकल गई। उनकी आंखों के सामने उनकी बेटी पंखे से फंदा लटका कर मृत हालत में झूल रही थी। संजय की चीख सुनकर आस पड़ोस के लोग भी एकत्रित हो गए और यहां का नजारा देखकर हक्का-बक्का रह गए। तत्काल सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंचे भूड़ चौकी प्रभारी आरिफ अली ने शव को फंदे से उतरवाया और पंचनामा भर अग्रिम कार्रवाई में जुट गए। मरने से पूर्व आकांक्षा ने एक सुसाइड नोट भी लिखकर छोड़ रखा था, जिसमें उसने लिखा था कि वह अपने परिवार से बहुत प्यार करती है और अब वह अपने बाबा के पास जा रही है। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी।

फर्जी तरीके से जमानत कराने में अधिवक्ता को किया गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर, 19 मार्च (बु.)। वर्ष 2025 में थाना सिविल लाइन में एक मुकदमा दर्ज किया गया था, जिसमें मुकदमे के वादी ने आरोप लगाया कि अधिवक्ता तनवीर, साबिर निवासी मौहल्ला गढ़ी गौरवान, शहर कोतवाली में जिला कारावार में बंद महिला ज्योति तिवारी व लक्ष्मी तिवारी की फर्जी तरीके से जमानत कराई है। जमानत कराने पर चार आरोपियों को फर्जी गवाह के रूप में पेश किया गया। थाना सिविल लाइन पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना की। पुलिस की विवेचना में प्रकाश में आया कि महिलाओं के जमानती दस्तावेजों की न तो किसी तहसील द्वारा सत्यापन कराया गया और न ही किसी थाने में जांच कराई गयी। दस्तावेजों पर थाने व तहसील दोनों की फर्जी मुहर लगाकर कोर्ट में दाखिल कर किया गया है। उक्त मामले में चारों फर्जी जमानतियों व लक्ष्मी तिवारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। मामले में अधिवक्ता तनवीर फरार चल रहा था। धोखाधड़ी में वांछित चल रहे अधिवक्ता को मंगलवार की देर रात पुलिस ने उसके घर से ही गिरफ्तार कर लिया और अधिवक्ता का चालान कर दिया।

पटाखा बुलेट एवं किशोरों को लेकर पुलिस एवं किसान यूनियन आमने-सामने

- देर शाम शाहपुर थाने पर भाकियू तोमर का धरना प्रदर्शन
- पुलिस ने बुलेट से पटाखा छोड़ते वीडियो जारी किया
- ग्रामीणों पर पुलिस से दुर्व्यवहार करने का आरोप
- ग्रामीणों ने पुलिस पर किशोरों से मारपीट का आरोप लगाया
- पुलिस ने पटाखा बुलेट को सीज किया

शाहपुर, 19 मार्च (बु.)। क्षेत्र के गांव बसधाड़ा में बुलेट चला कर पटाखा छोड़ते दो किशोरों पर पुलिस की सख्ती के चलते किसान यूनियन एवं पुलिस आमने-सामने आ गए। पुलिस ने बाइक को सीज कर दिया। किसानों ने आरोप लगाया कि किशोरों के साथ पुलिस ने मारपीट की, वहीं पुलिस ने ग्रामीणों पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। पुलिस ने घटना का सीसीटीवी वीडियो भी जारी किया है, जिसमें किशोर बुलेट से पटाखे छोड़ रहे हैं। थाना क्षेत्र के गांव बसधाड़ा में बुलेट से पटाखा छोड़ आतंक मचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के बाद भाकियू तोमर बुलेट सवार के पक्ष में उतरी और शाहपुर थाने पर धरना दे दिया। ग्रामीणों की सूचना पर गांव बसधाड़ा पहुंची डायल 112 पुलिस के साथ बदसलूकी करने पर पहुंची थाना पुलिस ने कार्रवाई करते बुलेट को सीज कर दिया था। देर शाम भाकियू तोमर के कार्यकर्ताओं ने पुलिस कर्मियों पर दो किशोरों के साथ अभद्र व्यवहार करने के साथ मारपीट करने का आरोप लगाते हुए थाने पर धरना दिया। भाकियू तोमर के कार्यकर्ता बुधवार की शाम जिलाध्यक्ष निखिल चौधरी के नेतृत्व में थाने पर पहुंचे। कार्यकर्ता पुलिस पर दो किशोरों के साथ गाली-गलौच करने के साथ मारपीट करने का आरोप लगाते हुए धरने पर बैठ गए। भाकियू तोमर के जिला अध्यक्ष ने कहा कि पुलिसकर्मियों ने किशोरों के साथ गाली-गलौच करने के साथ मारपीट की जो नियम विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि जब तक दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्यवाही नहीं होगी, तब तक धरना जारी रहेगा। उधर थानाध्यक्ष दीपक चौधरी ने बताया कि गांव पुरबालियान निवासी दो किशोर बुलेट मोटरसाइकिल से गांव में घूम कर बुलेट मोटरसाइकिल से पटाखे छोड़ रहे थे। इसकी शिकायत ग्रामीणों ने डायल 112 को दी, जिसके बाद पीआरवी गांव में पहुंची और दोनों किशोरों व बुलेट बाइक को थाना पुलिस को सौंप दिया, जिस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बुलेट मोटरसाइकिल को सीज कर दिया तथा दोनों किशोरों को थाने से भेज दिया। उन्होंने पुलिस पर

किशोरों के साथ गाली-गलौच व मारपीट करने के आरोपों को निराधार बताया। धरने पर हबीब गुर्जर, नौशाद बालियान, मोंटी, महबूब, मोहित लाटियान, सोनू शर्मा, फारूक व अजय त्यागी आदि दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे। समाचार लिखे जाने तक भाकियू तोमर के कार्यकर्ता थाने पर धरने पर बैठे हुए थे।

बस में आग लगने से चार लोगों की जलकर मौत

मुंबई,19 मार्च (वार्ता) महाराष्ट्र में पुणे के हिंजेवाड़ी इलाके में बुधवार को मिनी बस में आग लगने से चार लोगों की जलकर मौत हो गयी जबकि पांच अन्य झुलस गये। पुलिस सूत्रों के मुताबिक सुबह 07.30 बजे व्योमा ग्राफिक्स के 12 कर्मचारियों को वारजे से हिजेवाड़ी ले जा रहे बस में अचानक आग लग गयी। कई कर्मचारी बस से निकलने में सफल रहे, हालांकि चार लोगों की जलकर मौत हो गयी और पांच अन्य झुलस गये। बताया जा रहा है कि इंजन में खराबी के कारण बस में आग लग गयी। घायलों को रूबी हॉल क्लिनिक ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बस का चालक भी गंभीर रूप से घायल है। हिंजेवाड़ी के पुलिस उपायुक्त विशाल गायकवाड़ ने बताया कि शवों को वाहन से निकाल लिया गया है और घायलों को अस्पताल ले जाया गया है।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री आईएसएस से पृथ्वी पर लौटे

चेन्नई, 19 मार्च (वार्ता) नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के स्पेसएक्स क्रू-9 (जिसमें भारत में जन्मी महिला अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और तीन अन्य शामिल हैं) ने एजेंसी के नौवें वाणिज्यिक क्रू रोटेशन मिशन को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में पूरा किया और बुधवार तड़के 0327 बजे अमेरिका की खाड़ी में फ्लोरिडा के तल्हासी के तट पर स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान में सुरक्षित रूप से उतरा। अपनी वेबसाइट पर एक प्रेस विज्ञप्ति में नासा ने कहा कि उसके अंतरिक्ष यात्री निक हेग, सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर और रोस्कोस्मोस अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोरबुनोव शाम 5:57 बजे पूर्वी समय पर पृथ्वी पर लौट आए। स्पेसएक्स रिकवरी जहाजों पर सवार टीमों ने अंतरिक्ष यान और उसके चालक दल को वापस निकाल लिया। तट पर लौटने पर चालक दल 'स्टन में नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर के लिए उड़ान भरेगा और अपने परिवारों से फिर से मिलेगा। नासा की कार्यवाहक प्रशासक जेनेट पेट्रो ने कहा, ''हम सुनी, बुच, निक और अलेक्जेंडर को उनके महीनों लंबे मिशन के बाद घर वापस पाकर रोमांचित हैं, जिसमें आईएसएस पर महत्वपूर्ण विज्ञान, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन और रखरखाव का संचालन किया गया था।''

पड़ोसी के मुकदमे से परेशान व्यक्ति चढ़ा टावर पर

मुजफ्फरनगर, 19 मार्च (बु.)। एक बार फिर एक व्यक्ति ने शोले के धर्मेन्द्र की तरह टावर पर चढ़कर खूब हंगामा काटा। बेगराजपुर निवासी व्यक्ति रवि (50) ने बताया कि वह पड़ोसी द्वारा किये गए मुकदमे से परेशान है। इसी के चलते वह टावर पर चढ़कर अपनी जान देना चाहता है। उसने बताया कि उसकी पड़ोसी अनिल कश्यप से मारपीट हो गयी थी। मारपीट के बाद अनिल कश्यप पक्ष ने रवि व उसके अन्य लोगों पर मुकदमा दर्ज करा दिया था। इस मामले में सुलहनामा भी करने की कोशिश की गयी मगर अनिल कश्यप पक्ष के लोग तैयार नहीं हुए। इसी कारण आज वह टावर पर चढ़ गया, जब रवि को ग्रामीणों ने रवि को टावर पर चढ़े देखा तो मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गयी और बामुश्किल मंसूरपुर एसओ से ग्रामीणों द्वारा रवि की फोन पर वार्ता कराई गयी। एसओ ने समाधान का आश्वासन देते हुए रवि को नीचे उतरने को कहा तो लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद रवि सकुशल नीचे उतरा तब जाकर परिवार के लोगों की सांस में सांस आई।

जीएसटी चोरी में कादिर राणा के पुत्र को नहीं मिली जमानत

मुजफ्फरनगर, 19 मार्च (बु.)। जीएसटी चोरी के मामले में 5 दिसम्बर 2024 को पूर्व सांसद कादिर राणा की वहलना चौक स्थित फैक्ट्री में जीएसटी टीम पर हमला हुआ था, जिसमें कादिर राणा के पुत्र शाह मौहम्मद राणा को गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में थाना सिविल लाइन पुलिस ने शाहनवाज व कादिर राणा की बेटी व परिवार के अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया था। बेटियों को बाद में छोड़ दिया गया था तभी से शाहनवाज राणा भी जेल में बंद हैं। इसके अलावा कादिर राणा के पुत्र शाह मौहम्मद राणा को भी जीएसटी चोरी का अरोपी बनाया गया था। इस मामले में शाह मौहम्मद राणा को भी अभी तक जमानत नहीं मिली है। बुधवार को मामले में अधिवक्ता नकली सिंह त्यागी ने बताया कि हाईकोर्ट में बुधवार को शाहनवाज राणा की जमानत पर सुनवाई नहीं हो सकी। सुनवाई की अगली तिथि 28 मार्च निर्धारित की गयी है।

धोखाधड़ी के चार आरोपी गिरफ्तार किये

मुजफ्फरनगर, 19 मार्च (बु.)। थाना सिविल लाइन पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि 2024 में धोखाधड़ी का एक मामला सामने आया था, जिसमें सैदपुर गांव के चार लोगों को आरोपी बनाया गया था। चारों के ऊपर धोखाधड़ी से जमीन के फर्जी कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमीन के बैनामे में चारों आरोपी गवाह बने थे। पुलिस ने उक्त सभी आरोपियों फाजिल, सराफत, जावेद व मौहम्मद अली को अस्पताल तिराहे से चैकिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ के बाद चालान कर दिया।

किशोरी ने लव करने से इन्कार किया तो युवक ने खाया जहर

दूसरे ने बाप के धमकाने पर पी जहरीली दवाई

बुढ़ाना, 19 मार्च (बु.)। एक युवक ने अपने ही गांव की एक नवयुवती को मौका पाकर प्रपोज कर दिया, तो नवयुवती ने युवक को जमकर लताड़ पिला दी, जिससे क्षुब्ध होकर युवक ने घर में रखे जहर का सेवन कर लिया। उधर दूसरे युवक ने भी बाप के धमकाने पर घर में रखी कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। दोनों युवकों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों ही घटनाओं की सूचना पुलिस को दे दी गयी है। मिली जानकारी के अनुसार बुढ़ाना कोतवाली की बायवाला पुलिस चौकी क्षेत्र के एक गांव

के निवासी सौरभ ने बुधवार की सुबह अपने ही गांव की किसी लड़की को रास्ते में गुलाब का फूल देकर प्रपोज किया, तो लड़की ने गुस्से में आकर सौरभ को डांट दिया। बस इसी बात से क्षुब्ध होकर सौरभ ने जहर का सेवन कर लिया। दूसरी घटना में बुढ़ाना कोतवाली की गढ़ी सखावतपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के एक गांव के निवासी अंशुल को उसके पिता ने बुधवार की सुबह किसी बात पर डांट डपट दिया। बस इसी बात से क्षुब्ध होकर अंशुल ने घर में रखी कीटनाशक दवाई पी ली। हालत बिगड़ने पर दोनों को एक निजी हस्पताल में भर्ती कराया गया। बुढ़ाना पुलिस को भी दोनों घटनाओं की सूचना दे दी गयी है। समाचार लिखे जाने तक अस्पताल में दोनों युवकों का उपचार चल रहा था।

युवा रालोद जिलाध्यक्ष पर महिला ने लगाए गंभीर आरोप

बुढ़ाना, 19 मार्च (बु.)। युवा राष्ट्रीय लोकदल के जिला अध्यक्ष गज्जू पठान पर एक महिला ने गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बुढ़ाना कस्बे की एक महिला ने बुधवार को बुढ़ाना पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि उसका पति विकलांग है। उसका चंधेडी रोड पर मकान है। जिसके आधे हिस्से का फिरोज व इसराईल नामक व्यक्ति ने धोखाधड़ी से बैनामा करा लिया था तथा बाकी हिस्से में तब से आज तक उसका परिवार रह रहा है। बीती 16 मार्च की रात्रि दस बजे उक्त दोनों व्यक्ति व उनका साथी गज्जू तीनों व्यक्तियों उक्त आधे हिस्से के मकान में बैठकर शराब पी रहे थे तथा शराब के नशे में उक्त तीनों उसकी लड़की पर अश्लील कमेंट कर रहे थे व शराब की बोतल व चिकन उसके मकान में फेंक रहे थे, जब उसने विरोध किया तो उक्त व्यक्तियों में से किसी ने कॉल करके उसके पति को अपने मकान पर बुलाने को कहा तो वह, उसके पति व पुत्र उक्त व्यक्तियों के मकान पर गये, तो तीनों ने उसके साथ छेड़खानी कर उसके कपड़े फाड़ दिये तथा उसके, पति व पुत्र संग मारपीट की तथा घर से निकाल दिया। तीनों व्यक्ति दबंग हैं तथा उनमें गज्जू व फिरोज का सन 2016 में आबाद निवासी बुढ़ाना पर अवैध तमंचे से फायर कर जान से मारने का प्रयास का आरोप है, जिसमें दोनों ने आबाद की भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया था। पीड़िता ने बुढ़ाना पुलिस से आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है। बुढ़ाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

क्या बोले युवा रालोद जिलाध्यक्ष गज्जू.....

बुढ़ाना, 19 मार्च (बु.)। इस संबंध में जब युवा रालोद के जिला अध्यक्ष गज्जू पठान से बात हुई तो उन्होंने बताया कि पहली बात तो वे आरोप लगाने वाली उक्त महिला को नहीं जानते। दूसरे वे शराब का सेवन नहीं करते। आरोप लगाने वाली महिला उन पर मनगढ़ंत आरोप लगाकर उनकी छवि को धूमिल कर रही है। पुलिस निष्पक्ष जांच करे, तो दूध का दूध पानी का पानी हो। वे इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगाने वाली महिला के खिलाफ कोर्ट में मानहानि का दावा करेंगे। वे जांच में पुलिस का सहयोग करने को तैयार हैं।

जूतों की दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

खतौली, 19 मार्च (बु.)। नगर की अम्बर मंडी में सुबह दो भाईयों की अलग-अलग जूतों की दुकानों में लगी भीषण आग से लाखों रुपये की सम्पत्ति जलकर राख हो गयी।

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह नगर की अम्बर मंडी में राधे लोहिया व उसके भाई सुनील लोहिया की बराबर-बराबर जूतों की दुकान है। बताया जाता है कि सुबह शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग ने कुछ ही अंतराल में दोनों भाईयों की दुकानों में इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि आस-पड़ोस के दुकानदारों में भी हड़कम्प मच गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे जूता व्यापारियों ने अन्य लोगों के साथ मिलकर पानी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया तथा तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। वहीं नगर पालिका परिषद के टैंकर से पानी मंगवाकर किसी प्रकार आग पर काबू पाया गया, परन्तु तब तक दोनों दुकानों का लाखों रुपये का माल जलकर राख हो चुका था। बताया जाता है कि सूचना के बाद भी लगभग एक घंटे बाद फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची। लोगों का आरोप था कि यदि समय पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच जाती, तो जूता कारोबारियों के माल का नुकसान होने से बच सकता था।

हिंडन चौकी प्रभारी रिश्वत के आरोपों के बाद किए गए लाइन जाहिर

मुजफ्फरनगर, 19 मार्च (बु.)। बुधवार को चरथावल थाना क्षेत्र के हिंडन चौकी प्रभारी संदीप कुमार को रिश्वत के आरोप लगने के बाद आईजी व एसएसपी अभिषेक सिंह ने किया लाइन हाजिर। आपको बता दें कि मंगलवार को चरथावल थाना क्षेत्र के गांव नंगला राई निवासी किसान शाकिर मुखिया ने मीडिया के समक्ष खुलकर हिंडन चौकी प्रभारी संदीप कुमार पर पचास हजार रुपये लेने के आरोप लगाए थे। आरोप के साथ-साथ शाकिर व उसके परिजनों ने यह भी बताया कि मुकदमें में फंसाने की बात कहकर चौकी प्रभारी द्वारा पचास हजार रुपये लिये गए। शाकिर द्वारा बैंक स्टेटमेंट भी शिकायत के दौरान साथ लगाई गयी। यह मामला जब मीडिया ने उठाया तो हिंडन चौकी प्रभारी को एसएसपी अभिषेक सिंह द्वारा लाइन हाजिर कर दिया गया। चौकी प्रभारी के लाइन हाजिर होने के बाद क्षेत्र में तरह तरह की चर्चाएं व्याप्त हुई और फिर एक बार लोगों ने कहा कि भाजपा शासन में जहां एक ओर भाजपा मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं पूरी तरह से ईमानदार हैं, वहीं उसके विपरीत उन्हीं की सरकार में आए दिन छोटे से छोटा सरकारी कर्मचारी भी भ्रष्टाचार में लिप्त है, जिसे उदाहरण पूरे प्रदेश में आए दिन सामने आते दिखाई देते हैं। कभी एंटी करप्शन की टीम खुद इस पर एक्शन लेती है, तो कभी आम आदमी मीडिया के माध्यम से अपनी आवाज उठाते हुए साफ बताता है कि उसके साथ कहां और कैसे भ्रष्टाचार हुआ है। मगर बावजूद उसके भी सरकारी महकमे में योगी सरकार का कोई डर दिखाई ही नहीं देता।

पुलिस मुठभेड़ में बदमाश घायल, तीन साथी गिरफ्तार

जानसठ, 19 मार्च (बु.)। बुधवार की शाम लगभग चार बजे जानसठ से खतौली मार्ग के गांव बसायच को जाने वाले रास्ते पर बदमाश के साथ मुठभेड़ हुई, जिसमें एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। उसके तीन साथी भी पुलिस ने गिरफ्तार किए। घायल बदमाश को पुलिस ने उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया है। सीओ यतेंद्र नागर ने बताया कि बुधवार की शाम लगभग चार बजे एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

पुलिस जब जानसठ से खतौली मार्ग पर चैकिंग कर रही थी, तभी गांव बसायच की ओर से एक युवक मोटरसाइकिल पर आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, तो वह मोटरसाइकिल वापस मोड़ कर गांव की ओर भागने लगा। पुलिस टीम द्वारा बदमाश का पीछा किया गया, तो उसकी मोटरसाइकिल असंतुलित होकर फिसल गई, तभी उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी बदमाश को घेर लिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया। घायल बदमाश सूरज पुत्र ललित निवासी मौहल्ला शांति नगर गेट नंबर दो थाना नई मंडी जनपद मुजफ्फरनगर है। सीओ ने बताया कि

मंगलवार की देर रात लगभग 12 बजे सूरज पुत्र ललित अपने तीन साथियों मनीष पुत्र महिपाल, सत्यम पुत्र प्रमोद निवासीगण मुजफ्फरनगर व सोनू पुत्र महावीर निवासी हस्तिनापुर जनपद मेरठ के साथ एक बाइक पर सवार होकर किसी घटना को अंजाम देने के लिए जा रहे थे। पुलिस ने गढ़ी तिराहे पर चैकिंग के दौरान मनीष, सत्यम और सोनू को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने उनके पास से 11 मार्च को क्षेत्र के गांव तालड़ा से चोरी की गई बाइक बरामद की है, जबकि सूरज पुलिस को चकमा देकर भाग गया था। पूछताछ में उसने बताया कि वह आज अपने साथियों का पता लेने जानसठ आ रहा था, तभी पुलिस ने उसे मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। सूरज के खिलाफ पूर्व में थाना नई मंडी में ढाई लाख की चोरी और जनपद हरिद्वार के भगवानपुर थाने में बाइक चोरी के मुकदमे दर्ज हैं। थाना प्रभारी राजीव शर्मा ने बताया कि पुलिस ने सूरज के पास से 11 मार्च को बाइक चोरी में इस्तेमाल की गई बाइक, एक तमंचा व कारतूस व खोके बरामद किये हैं। पुलिस ने घायल सूरज को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया है। मनीष, सत्यम और सोनू को जेल भेज दिया है।

मुठभेड़ के दौरान बाल अपचारी सहित चार गौ तस्करों को किया गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर, 19 मार्च (बु.)। नई मण्डी पुलिस ने बुधवार को दोपहर में ही मुठभेड़ कर चार गौ तस्करों को दबोच लिया, जिनमें से एक गौ तस्कर बाल अपचारी है। नई मण्डी थाना प्रभारी दिनेश चन्द्र बघेल के अनुसार जिस समय पुलिस मखियाली चेक पोस्ट पर चैकिंग कर रही थी, तो पुलिस ने शक के आधार पर एक पिकअप गाड़ी को रोकने का प्रयास किया। पिकअप सवार बदमाश ने गाड़ी को दौड़ा दिया। पुलिस ने घेराबंदी करने का प्रयास किया तो बदमाशों ने कूकड़ी गांव के समीप गाड़ी छोड़ दी और जंगल में कूदकर फरार हो गए। पुलिस ने उनका पीछा करते हुए उनकी घेराबंदी की तो आरोपियों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्यवाही में गौ तस्कर शाहरुख निवासी कलसायनपुर, थाना गागलहेड़ी, जिला सहारनपुर, के पैरों में गोली लग गयी, जबकि छह अन्य गौ तस्कर जंगलों में छिप गए। पुलिस ने उनकी भी कॉम्बिंग करते हुए एक बाल अपचारी व उसके साथी सलमान निवासी सहारनपुर, बाबू निवासी अम्बाला को दबोच लिया, जबकि गिरोह का सरगना चांद बंजारा निवासी कम्हेड़ा, इब्राहिम व काला पुलिस को चकमा देकर फरार हो जाने में सफल रहे। सीओ मंडी रुपाली राय चौधरी ने बताया कि

गिरफ्तार गौ तस्करों से दो जिंदा गौवंश, दो तमंचे, एक पिकअप गाड़ी बरामद की है। फरार गिरोह सरगना चांद बंजारा व उसके दो अन्य साथियों की तलाश में जुटी है, जिसके लिए टीम गठित कर दी गयी है।